mediaauditornews@gmail.com Epaper.dainikmediaauditor.in वर्ष-30 अंक-116 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
28 अप्रैल 2026 मंगलवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बंगाल चुनाव में विवाद : पुलिस ऑब्जर्वर के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची टीएमसी, भाजपा उम्मीदवार से मिलने पर उपजा विवाद

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की मतदान की तैयारियों के बीच अब एक नया राजनीतिक विवाद सामने आया है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें पुलिस ऑब्जर्वर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पार्टी का कहना है कि पुलिस ऑब्जर्वर परमार पुरुषोत्तम दास ने 142-मगराहाट पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार गौर घोष के साथ एक अनौपचारिक (ऑफिशियल नहीं) बैठक की। टीएमसी ने इसे गंभीर आचार उल्लंघन और निष्पक्षता के खिलाफ बताया है। इतना ही नहीं टीएमसी की यह भी आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान पुलिस ऑब्जर्वर का किसी राजनीतिक उम्मीदवार से इस तरह मिलना निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। पार्टी ने कहा कि यह कदम चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता और भरोसे को प्रभावित कर सकता है। इसी वजह से टीएमसी ने कलकत्ता हाई कोर्ट से हस्तक्षेप करने की मांग की है और मामले की जांच की अपील की है। पार्टी का कहना है कि चुनाव के दौरान सभी अधिकारियों को पूरी तरह निष्पक्ष रहना चाहिए, ताकि किसी भी राजनीतिक दल को अनुचित लाभ न मिले।

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- मैं माफी मांगता हूं

छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में दिया था विवादित बयान

नागपुर, एजेंसी। छत्रपति शिवाजी महाराज और समर्थ रामदास स्वामी के बारे में अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने माफी मांग ली।

रविवार को नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- कुछ लोगों ने मेरे बयान का गलत अर्थ निकाला। मैं जिस स्वराज और हिंदू राष्ट्र की अवधारणा का सम्मान करता हूं, उसमें छत्रपति शिवाजी महाराज का स्थान सर्वोच्च है। उनके बारे में नकारात्मक बोलना तो दूर, मैं ऐसा सपने में भी नहीं सोच सकता। उन्होंने आगे कहा- संदर्भ बिल्कुल अलग था। छत्रपति शिवाजी महाराज की संतों और अपने गुरु समर्थ रामदास स्वामी के प्रति गहरी निष्ठा थी। हम एक शिष्य की अपने गुरु के प्रति भक्ति के बारे में बात कर रहे थे। ठीक वैसे ही जैसे महाभारत में अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि वह अपने ही लोगों से युद्ध नहीं करेंगे, तब कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।

हमारा उद्देश्य केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की महानता को उजागर करना था कि वे संतों के प्रति कितने गहरे रूप से समर्पित थे, लेकिन एक छोटा सा अंश संदर्भ से काटकर फैला दिया गया।

ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं :वह अमेरिका के पक्ष में झुका है

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा।

पीएम मोदी ने बैरकपुर से बंगाल को दी पांच गारंटी

बोले: 'पढ़ाई, लिखाई और दवाई हमारी प्राथमिकता'

बीजेपी को वोट दीजिए ताकि बेटियां हर समय बाहर निकल सकें

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल), एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। आज प्रचार का अंतिम दिन है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा का प्रचार करने बैरकपुर पहुंचे। पीएम मोदी ने कहा, '1857 में इसी बैरकपुर की धरती ने आजादी की पहली लड़ाई को ताकत दी थी। यही धरती आज बंगाल में परिवर्तन की राह को और प्रशस्त कर रही है।' भाजपा के चुनावी नारे और बंगाल में बदलाव की बयार का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने रैली में कहा कि बंगाल में हर ओर एक ही नारा सुनाई दे रहा है 'पलटनो दरकार, चाई बीजेपी सरकार।' यानी जनता बदलाव चाहती है और भाजपा की सरकार बनाने का मन बना चुकी है। रैली को चुनाव प्रचार की अंतिम सभा बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे राज्य में लोगों का मूड देखकर उन्हें विश्वास है कि 4 मई को नतीजे आने के बाद भाजपा की सरकार बनेगी और वह शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने फिर बंगाल आएंगे।

'जनता ही मेरा परिवार है और उनके बीच रहकर सुकून मिलता है': उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान मिले जनसमर्थन का जिक्र करते हुए कहा कि रैलियों और रोड शो के दौरान लोगों द्वारा दिए गए संदेश, पत्र और चित्र उनके लिए बेहद खास हैं। वह रात में समय निकालकर इन भावनाओं को समझते हैं और लोगों के संदेशों को पढ़ते हैं। अपने लंबे राजनीतिक सफर को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह पिछले कई दशकों से देशभर में लगातार काम कर रहे हैं और पार्टी द्वारा सौंपी गई हर जिम्मेदारी को निभाते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनता ही उनका परिवार है और उनके बीच रहकर उन्हें सुकून मिलता है।

पीएम मोदी ने दावा किया कि राज्य में बदलाव की लहर साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि बंगाल की धरती से उनका जुड़ाव बेहद खास है और यहां के अनुभवों को वह अपने जीवन का आशीर्वाद मानते हैं। उनके अनुसार, जिस तरह जनता बड़ी संख्या में सामने आ रही है, उससे स्पष्ट है कि बैरकपुर समेत पूरा बंगाल बदलाव के लिए तैयार खड़ा है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी रोड शो और रैलियों को 'तीर्थ यात्रा' जैसा अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और लगातार कार्यक्रमों के बावजूद उन्हें थकान महसूस नहीं हुई, क्योंकि लोगों का उत्साह उन्हें लगातार ऊर्जा देता रहा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम खत्म होने के बाद भी दूर-दूर तक लोगों की भीड़ लगी रहती थी, जिसे देखकर वह फिर से पूरे जोश के साथ उनके बीच पहुंच जाते थे। उन्होंने यह भी कहा कि मां काली के भक्तों के बीच जाने से उन्हें विशेष ऊर्जा मिलती रही। बैरकपुर से पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य की जनता के लिए पांच अहम गारंटियों का एलान किया। उन्होंने कहा कि ये वादे बंगाल के विकास और युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर किए गए हैं। पीएम मोदी की पहली गारंटी के तहत रेहड़ी-पटरी पर काम करने वाले लोगों को बैंक के जरिए आर्थिक सहायता दी जाएगी, ताकि उनका कारोबार मजबूत हो सके। दूसरी गारंटी में उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकारी भर्तियां तय समयसीमा के भीतर और पूरी पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएंगी।

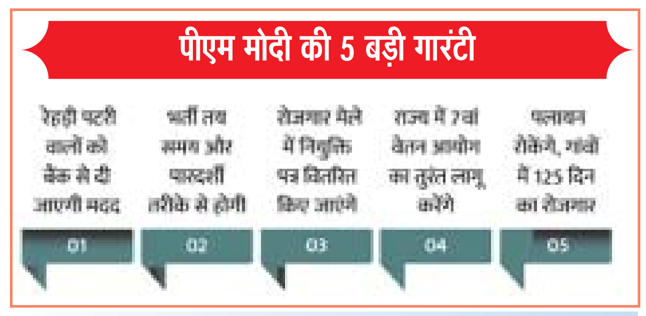

टीएमसी सांसद मिताली बाग की कार पर हमला

सांसद और उनका ड्राइवर घायल ; टीएमसी बोलीं- शाह की धमकी के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं का हमला

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के हुगली में सोमवार को TMC सांसद मिताली बाग की कार पर हमला हुआ। TMC का आरोप है कि भाजपा समर्थकों ने गोगहाट में उनकी गाड़ी पर ईंट-पत्थर और लाठियों से हमला किया।

मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग में अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होने जा रही थीं। इसी दौरान उन पर हमला हुआ। हमले में कार के शीशे टूट गए। सांसद और उनके ड्राइवर को चोट आई है। घायलों को आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है TMC ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने धमकी दी थी कि जो भी घर से बाहर निकलेगा, उसे उल्टा लटका दिया जाएगा। उसी के बाद यह हमला हुआ। इधर, पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर 24 परगना में रैली की। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बंगाल की दशा और दिशा दोनों बदलने वाली है। यह चुनाव सिर्फ बंगाल ही नहीं, पूरे पूर्वी भारत का भविष्य तय करेगा।

भाजपा का आरोप- पुलिस थाना छोड़कर चली गई, टीएमसी के लोगों ने हमला किया

भाजपा का आरोप है कि घटना के समय पुलिस थाना छोड़कर चली गई और तृणमूल समर्थकों ने हमला किया। जगदल से भाजपा प्रत्याशी राजेश कुमार ने कहा कि वे और पूर्व सांसद अर्जुन सिंह समर्थकों के साथ शिकायत दर्ज कराने पहुंचे थे, तभी अधिकारी वहां से चले गए। इसके बाद ज्ञस्ष्ट समर्थकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया। भाटपाड़ा सीट से भाजपा उम्मीदवार पवन कुमार सिंह ने कहा कि विवाद एक दिन पहले उनकी स्ट्रीट कॉर्नर मीटिंग से शुरू हुआ था, जब TMC के स्थानीय पार्षद मनोज पांडे समर्थकों के साथ पहुंचे और कार्यक्रम में बाधा डाली। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बंगाल में 79 देशी बम मिलने का केस एआईए ने संभाला

गृह मंत्रालय के आदेश पर NIA ने पश्चिम बंगाल में देशी बम बरामदगी से जुड़े मामले को अपने हाथ में लिया है। कोलकाता पुलिस ने 25 अप्रैल को एक जगह से 79 देशी बम और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया था, जिससे लोगों की जान और संपत्ति को खतरा था।

केजरीवाल बोले- जस्टिस स्वर्णकांता से न्याय की उम्मीद खत्म

- **उनके बेटे को केंद्र से सबसे ज्यादा केस मिले, शराब घोटाला मामले में हाईकोर्ट नहीं जाऊंगा**

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति घोटाला मामले में हाईकोर्ट में पेश होने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा जी से न्याय मिलने की उम्मीद टूट चुकी है। मैं हाईकोर्ट में पेश नहीं होऊंगा, न ही कोई दलील रखूंगा। मैंने अपनी अंतरआत्मा की आवाज सुनते हुए महात्मा गांधी के सत्याग्रह का रास्ता अपनाने का फैसला किया है।

केजरीवाल ने कहा कि जस्टिस स्वर्णकांता के दोनों बच्चे केंद्र सरकार के वकील पैनल का हिस्सा हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता दोनों बच्चों को केस देते हैं। उनके बेटे को 2023 से 2025 के बीच लगभग 5904 केस मिले। अगर जज के बच्चों का भविष्य सॉलिसिटर जनरल तय कर रहे हैं तो क्या जज साहिबा उनके खिलाफ फैसला सुना पाएंगी।केजरीवाल ने सोमवार को पहले जस्टिस स्वर्णकांता को लेटर लिखा, फिर वीडियो शेयर कर अपनी बात कही।

जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था- मैं हटी तो संदेश जाएगा कि दबाव डालकर जज हटा सकते हैं इससे पहले 20 अप्रैल को दिल्ली हाईकोर्ट ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को मामले से अलग करने की मांग वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस स्वर्णकांता ने कहा था कि मैं इस मामले से खुद को अलग नहीं करूंगी।

मिडिल ईस्ट पर मतभेद के कारण ब्रिक्स की आम सहमति मुश्किल, भारत ने फलस्तीन के पक्ष का किया समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले हफ्ते मिडिल-ईस्ट पर हुई ब्रिक्स (BRICS) की बैठक में कोई आम सहमति वाला दस्तावेज तैयार नहीं हो सका, क्योंकि इस संघर्ष में शामिल सदस्य देशों के रुख में काफी मतभेद थे।

भारतीय अधिकारियों के अनुसार, बाकी सभी देशों द्वारा इन मतभेदों को दूर करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो सकीं। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है और वह अगले महीने विदेश मंत्रियों की बैठक की मेजबानी करेगा। इसके बाद इसी साल के अंत में शिखर सम्मेलन होगा।

मिडिल-ईस्ट में संघर्ष को लेकर जताई चिंता : आम सहमति न बन पाने के कारण पिछले हफ्ते विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक में कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका। इसके बजाय 'अध्यक्ष का बयान' जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि सदस्य देशों ने मिडिल-ईस्ट में हाल ही में हुए संघर्ष पर गहरी चिंता जताई और इस मामले पर अपने विचार और आकलन पेश किए।

चर्चाओं में फलस्तीन का मुद्दा और गाजा की स्थिति शामिल थी, जिसमें मानवीय सहायता पहुंचाना, UNRW की भूमिका, आतंकवाद के प्रति 'जीरो-टॉलरेंस' का रवैया अपनाना और लेबनान में हुए संघर्ष-विराम का स्वागत करना शामिल था।

आम सहमति न बनने का क्या रहा कारण ?

जहां एक ओर ईरान, अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ब्रिक्स देशों की एकजुटता चाहता रहा है और भारत से आम सहमति बनाने की दिशा में काम करने का आग्रह करता रहा है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब की मौजूदगी के कारण कोई संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका।

लू से झुलस रहे दिल्ली-यूपी-बिहार

राजस्थान में पारा 46 के पार; मंगलवार से राहत मिलने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड और हिमाचल समेत उत्तर भारत के कई राज्य लू से झुलस रहे हैं। अलबत्ता, कुछ राज्यों में आंधी, बादल और छिटपुट बारिश ने राहत के संकेत भी दिए हैं। सबसे तीखा असर उत्तर प्रदेश और राजस्थान में दिखा, जहां पारा 46 डिग्री के करीब पहुंच गया। बांदा 46.6 डिग्री सेल्सियस के साथ उत्तर प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा, जबकि राजस्थान के कोटा में 44.8 और चूरू में 43 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। राजस्थान के 10 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंचना बताता है कि गर्मी ने व्यापक दायरा ले लिया है।

यूपी में लू का कहर

मौसम विभाग ने अगले दो दिन तक राहत सीमित रहने के संकेत दिए हैं। उत्तर प्रदेश में बांदा और प्रयागराज में लू के थपेड़ों ने लोगों की दिनचर्या प्रभावित कर दी है। कानपुर में भी तापमान 45.7 डिग्री तक पहुंच गया। सोमवार तक लू जारी रहने और मंगलवार से कुछ राहत मिलने की संभावना जताई गई है।

राजस्थान में भी हीट वेव

राजस्थान में भी हीट वेव जैसे हालात बने हुए हैं, जहां पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में तपिश का असर साफ दिख रहा है। उत्तराखंड में अप्रैल की गर्मी ने 17 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। देहरादून में तापमान 39.2 डिग्री पहुंचने और मैदानी इलाकों में हीट वेव की आशंका के बीच प्रशासन ने एहतियातन स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखने के आदेश दिए हैं, जो इस गर्मी से उपजे संकट की गंभीरता को रेखांकित करता है।

हरिद्वार में पारा 40 के पार

हरिद्वार और ऊधम सिंह नगर में भी रविवार को पारा 40 डिग्री पार रहा। दूसरी ओर पर्वतीय जिलों में ओलावृष्टि और बिजली गिरने का आरेंज अलर्ट जारी हुआ ।हिमाचल में ऊना, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सोलन में लू की चेतावनी ने स्पष्ट किया है कि पहाड़ी राज्य में भी गर्मी असर दिखा रही है। ऊना में तापमान 41.8 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि कई स्थानों पर सामान्य से दो से सात डिग्री अधिक तापमान रिकार्ड हुआ। बिहार में तस्वीर कुछ बदली हुई रही। भीषण गर्मी के बीच रविवार से मौसम करवट लेता दिखा।

पटना का गर्मी से बुरा हाल

पटना के तापमान में 6.4 डिग्री की गिरावट राहत लेकर आई। हालांकि, कैमूर 43.5 डिग्री के साथ सबसे गर्म रहा। उत्तरी बिहार में गरज-चमक और आंधी-पानी की चेतावनी तथा किशनगंज में 75.4 मिमी बारिश ने संकेत दिया कि कुछ इलाकों में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय होने लगी हैं। मध्य प्रदेश के कई शहरों में रविवार को भी तेज गर्मी रही। इंदौर में सात साल बाद पारा 43 डिग्री सेल्सियस पहुंचा। छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी का दौर जारी है।

मां के प्यार में बेटे ने बनवाया दक्षिणी ताजमहल

तमिलनाडु के थिरुवरुर में उमड़ रही लोगों की भीड़

थिरुवरुर, एजेंसी। मां के प्रति एक बेटे का प्रेम अब भव्य स्मारक के रूप में लोगों को आकर्षित कर रहा है। तमिलनाडु के थिरुवरुर जिले में बना यह अनोखा स्मारक इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। लोग इसे दक्षिणी ताजमहल कह रहे हैं और इसे देखने के लिए राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

अमुरदीन ने अपनी मां के याद में बनवाई यह इमारत : यह स्मारक अम्मायाप्पन गांव में बनाया गया है। यहां रहने वाले शेख दाऊद और जेलानी बीवी के बेटे अमुरदीन (49), जो चेन्नई के व्यवसायी हैं, ने अपनी मां की याद में इस इमारत का निर्माण कराया। परिवार में उनकी चार बहनें भी हैं और सभी चेन्नई में रहते हैं। पिता के निधन के कुछ वर्षों बाद वर्ष 2020 में मां जेलानी बीवी का भी देहांत हो गया। मां के जाने के बाद अमुरदीन ने उनकी याद को हमेशा जीवित रखने के लिए गांव में एक भव्य स्मारक बनाने का फैसला किया।

किससे मिली इमारत बनवाने की प्रेरणा? उन्होंने बताया कि उन्हें एम. करुणानिधि से प्रेरणा मिली, जिन्होंने अपनी मां अंजुगम अम्मैयार की स्मृति में स्मारक बनवाया था। इसी सोच के साथ अमुरदीन ने भी अपनी मां के लिए कुछ खास करने का निर्णय लिया। अमुरदीन का कहना है कि जिस तरह ताज महल प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह वह अपनी मां के लिए प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक बनाना चाहते थे। इसलिए उन्होंने राजस्थान से सफेद संगमरमर मंगवाकर मुगल शैली में ताजमहल जैसी इमारत तैयार करवाई।

इमारत की खासियत : करीब एक एकड़ जमीन पर बने इस स्मारक का निर्माण लगभग 8,000 वर्गफुट क्षेत्र में किया गया है। इसकी चौड़ाई 46 फीट है और इसमें ऊंची मीनारें भी बनाई गई हैं। इस अनोखे स्मारक का उद्घाटन 2 जून 2022 को सादगीपूर्ण समारोह में किया गया था।

स्मारक परिसर में उनकी मां की याद में एक मस्जिद बनाई गई है। साथ ही एक ओर भव्य नमाज स्थल और दूसरी ओर मदरसा भी है, जहां छात्र रहकर पढ़ाई कर सकते हैं। दक्षिण तमिलनाडु में सफेद संगमरमर से बना यह अपनी तरह का पहला ताजमहल शैली स्मारक माना जा रहा है। इसके खुलने के बाद से हजारों लोग यहां पहुंच चुके हैं।

इमारत की लोकप्रियता बढ़ रही है

गर्मी की छुट्टियों के चलते अब यहां आने वालों की संख्या और बढ़ गई है। तमिलनाडु समेत देश के कई हिस्सों से परिवार यहां पहुंच रहे हैं। आगंतुकों के लिए प्रबंधन की ओर से मुफ्त छाछ, सुंडल और मूंगफली की चिक्की भी दी जा रही है। सबसे खास बात यह है कि यहां सभी धर्मों और समुदायों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के प्रवेश दिया जाता है। लोग परिवार के साथ तस्वीरें खिंचवा रहे हैं और इस अनोखे स्मारक को देखकर भावुक भी हो रहे हैं। स्थानीय लोग अमुरदीन की जमकर सराहना कर रहे हैं। उनका कहना है कि मां के सम्मान में प्रेम और श्रद्धा का ऐसा उदाहरण बहुत कम देखने को मिलता है।

जेएनयू में छत की सीलिंग गिरने से बढ़ी सुरक्षा की चिंता, छात्र काउंसिल ने डीन को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में सुरक्षा और छात्र सुविधाओं को लेकर एक अहम मुद्दा सामने आया हैं। स्कूल आफ सोशल साइंस (एसएसएस)-2 भवन के सामने सीलिंग गिरने की घटना ने छात्रों और शिक्षकों की चिंता बढ़ा दी है। जेएनयू छात्र काउंसिल ने एसएसएस-2 के सामने छत गिरने की घटना को गंभीर सुरक्षा खतरा बताते हुए डीन को पत्र लिखा है। काउंसिल के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छात्र, शिक्षक और कर्मचारी गुजरते हैं, जिससे किसी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। पत्र में प्रशासन से तत्काल निरीक्षण, मरम्मत कार्य और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की गई है ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके। हालांकि विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इस मामले में आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। वहीं, जेएनयू डीन कार्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए पीजी छात्रों के हास्टल आवंटन की सूची जारी कर दी है। विभिन्न श्रेणियों के छात्रों को ताप्ती, लोहित, झेलम, नर्मदा, सतलुज, माही, कावेरी और मांडवी सहित कई छात्रावास आवंटित किए गए हैं। सूची जारी होने के साथ ही आवंटन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है और छात्रों को 30 अप्रैल तक संबंधित हास्टल में शिफ्ट होने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अप्रैल में बीटेक छात्रों के लिए भी हास्टल आवंटन किया गया था। ऐसे में एक ओर जहां आवासीय सुविधाओं को लेकर प्रक्रिया तेज हुई है, वहीं परिसर की आधारभूत संरचना की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल प्रशासन के लिए चुनौती बने हुए हैं।

जगतपुर में नाले में पानी के रुकने के कारण सड़क तालाब बनी हुई है। लगभग दो माह से अधिक समय से पानी का निकास

बाहरी दिल्ली, एजेंसी। न होने के कारण नाले के गंदा पानी सड़क पर भरा हुआ है। जिसके कारण लगभग आधा दर्जन रिहायशी क्षेत्रों के 10 हजार से अधिक लोग प्रभावित है। सड़क मार्ग से गुजरने वाले लगभग तीन हजार से अधिक स्कूटी बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लगभग डेढ़ किलोमीटर की जगत मेन रोड के 300 मीटर का हिस्सा बदहाल पड़ा है। सड़क में अनगिनत गड्ढे और छह इंच तक पानी भरा हुआ है। राधा कृष्ण मंदिर के आसपास जलभराव के कारण लोग गंदे पानी के बीच जोखिम उठाकर निकलने को मजबूर है। सड़क मार्ग पर नाले के किनारे से लोग ईट-पत्थर से रखकर बनाए हुए रास्ते से गुजरते दिखें। नाले से निकाली गई सड़क पर डाल दी गई। जो बहकर वापस नाले में जा रही है। लंबे समय से गंदे पानी के जलजमाव के कारण आसपास बदबू व मच्छरों की भरमार हो चुकी है। जिसके कारण बीमारी व हादसे की आशंका भी बनी हुई है। सड़क की बदहाली के कारण कई लोग दुर्घटना का शिकार भी हो चुके है। सड़क मार्ग पर दुकानदारों का व्यापार भी ठप हो चुका है। जिसके कारण दुकानों पर ताले लगाकर जाने लगे है। सड़क की जर्जर हालत की वजह से मुझे अपना ढाबा बंद करना पड़ा। जलभराव के कारण ग्राहकों के आने का रास्ता ही नहीं है। तो काम कैसे चलेगा? इसलिए यहां 3-4 दुकानें बंद हो चुकी है। इस सड़क से आसपास के 5-6 स्कूलों के बच्चे और कई इलाकों के लोग गुजरते है। कई बार बच्चे और बुजुर्ग गिर भी जाते है। बीते दो माह से स्थित काफी गंभीर हो चुकी है। लोगों काफी समय से परेशान है। आगे बड़ा नाला जाम पड़ा है। जिसके कारण सड़क पर छोटे नालों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़क पर भरा हुआ है। जब बड़े नाले की सड़क नहीं होगी। यह पानी नहीं निकलेगा। यहां सड़क पर काफी समय से समस्या बनी हुई है। मेरी उम्र 50 वर्ष से अधिक हो चुकी है। मैं अपनी साइकिल से यहां लोगों से आनाजाना करता हूं। लेकिन सड़क पर भरे पानी और गड्ढों के कारण गिरने का डर लगता है।

गुरुग्राम में सवारियों से भरी सिटी बस में अचानक आग लगने से मचा हड़कंप, बाल-बाल बचे यात्री

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में रविवार दोपहर एक बड़ा हादसा बच गया। रविवार दोपहर करीब दो बजे मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से मारुति कुंज की तरफ जा रही गुरुगमन सिटी बस में अचानक आग लग गई। ड्राइवर ने सूझबूझ से काम लेते हुए बस को रोका और फौरन सभी सवारियों को उतारा। हादसे में बस पूरी तरह जल गई, लेकिन सभी यात्री सुरक्षित बच गए। घटना सेक्टर 51 की है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बस मारुति कुंज की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पिछले हिस्से में इंजन से धुआं उठा। इसे देखते ही बस ड्राइवर ने सेक्टर 51 महिला थाना के पास ही सड़क किनारे बस रोक दी। सभी सवारियों को तुरंत बाहर निकाला गया। देखते ही देखते बस आग का गोला बन गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। सेक्टर 29 दमकल टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। जिस समय बस में हादसा हुआ, उस समय उसमें 20 से ज्यादा सवारियां मौजूद थीं।

गुरुग्राम विवि में 10 नए कोर्सेज की शुरुआत अब फॉरेंसिक साइंस और क्लीनिकल साइकोलॉजी की भी होगी पढ़ाई

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा को आधुनिक और रोजगारपरक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। आगामी शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय कई नए कोर्स शुरू होंगे, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को नए अवसर मिल सकेंगे और उन्हें बदलते समय के अनुरूप तैयार किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह पहल नई शिक्षा नीति के अनुरूप की जा रही है, जिसमें स्किल आधारित और बहु-विषयक शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है। इन कोर्स को इस तरह डिजाइन किया गया है।

क्या न्यूनतम वेतन कानून से फायदे की बजाय होगा नुकसान, कम सैलरी वाले श्रमिकों पर कितना असर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नई वेतन व्यवस्था 1 अप्रैल, 2026 से लागू हो चुकी है। यह सभी सेक्टर में न्यूनतम वेतन का नियम अनिवार्य बनाता है। एक तरफ जहां, इस कदम का मकसद मजदूरों की सुरक्षा करना है। वहीं, दूसरी तरफ एक नई रिपोर्ट का तर्क है कि, यह शायद उन्हीं लोगों को नुकसान पहुंचा रहा है; जिनकी मदद करना इसका मकसद है। फाउंडेशन फॉर इकोनॉमिक डेवलपमेंट (स्नश्वष्ठ) की ओर से जारी एक स्टडी के अनुसार, भारत का मौजूदा न्यूनतम वेतन ढांचा इतना ऊंचा है कि, इसने लाखों कम कुशल मजदूरों के लिए कानूनी तौर पर नौकरी पाना मुश्किल बना दिया है। रिपोर्ट में पाया गया है कि लगभग 64 प्रतिशत भारतीय मजदूर अधिसूचित न्यूनतम वेतन से कम कमाते हैं। इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि लगभग आधे मजदूरों के लिए, 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि के बाद भी उन्हें नौकरी पर रखना गैर-कानूनी होगा। स्नश्वष्ठ का तर्क है कि भारत का न्यूनतम वेतन, आय के स्तर के हिसाब से समायोजित करने पर, चीन, वियतनाम और बांग्लादेश जैसे तुलनात्मक निर्यात करने वाले देशों की तुलना में लगभग

50 प्रतिशत अधिक है। औसतन, भारत का न्यूनतम वेतन औसत कैजुअल वेतन का 1.7 गुना है। विकसित अर्थव्यवस्थाओं में, यह अनुपात 0.26 और 0.60 के बीच होता है। इस अनुपात के बढ़ने से श्रम-प्रधान सेक्टरों को प्रतिस्पर्धी में बने रहने में मुश्किल होती है। इसके साथ ही, ओवरटाइम के लिए दोगुना वेतन देने का नियम लागत को और बढ़ा देता है। भारत को सालाना निर्यात क्षमता में अनुमानित .60 बिलियन का नुकसान होता है, साथ ही लाखों नौकरियां प्रतिस्पर्धी देशों में चली जाती हैं। भारत का लगभग 90 प्रतिशत कार्यबल अनौपचारिक क्षेत्र में है, जिनके पास न तो कोई अनुबंध है और न ही कोई सामाजिक सुरक्षा। स्नश्वष्ठ के संस्थापक निदेशक राहुल अहलूवालिया कहते हैं कि, इन आंकड़ों को नजर अंदाज करना मुश्किल है। 'अगर हमारे लगभग आधे कार्यबल को 30 प्रतिशत वेतन वृद्धि देने के बाद भी कानूनी तौर पर नौकरी पर नहीं रखा जा सकता, तो इसका मतलब है कि न्यूनतम वेतन का दांव उल्टा पड़ गया है।'

वेतन को लेकर मोल भाव करने का सुझाव : इसको लेकर एक ऐसा समाधान सुझाया है जो राजनीतिक रूप से कठिन है, लेकिन आर्थिक रूप से सरल है। वेतन पर मोल भाव करने की अनुमति देना। इस बीच, यह ऊंची न्यूनतम वेतन सीमा तय करने के बजाय वेतन सब्सिडी देने की सिफारिश करता है। यह क्षेत्रीय वास्तविकताओं को दर्शाने के लिए राष्ट्रीय न्यूनतम वेतन में लचीले पन की भी मांग करता है। लेकिन हर कोई इस बात से सहमत नहीं है कि इसका समाधान वेतन सुरक्षा नियमों को कमजोर करना है। संस्थापक और ष्टश्वह्र प्रणव कुमार कहते हैं कि इस बहस में संतुलन की जरूरत है। वह बताते हैं कि नए वेतन कोड के तहत, केंद्रीय नियमों के अनुसार मेट्रो शहरों में एक अकुशल मजदूर हर महीने 21,000 रुपये कमाएगा, जो महंगाई और परिवर्तनीय महंगाई।

मजदूरी में धीरे-धीरे बढ़ोतरी की कही बात

उन्होंने आगे कहा कि, न्यूनतम मजदूरी, मजदूरों के शोषण को रोकने और खपत को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाती है। असल बात यह नहीं है कि न्यूनतम मजदूरी लागू की जानी चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि इसे किस तरीके से लागू किया जाना चाहिए। मजदूरी में बढ़ोतरी धीरे-धीरे होनी चाहिए, साथ ही कौशल विकास, काम को औपचारिक बनाने और उत्पादकता में भी बढ़ोतरी होनी चाहिए।' बता दें कि, हाल ही में नोएडा और ग्रेटर नोएडा में हुए विरोध प्रदर्शनों से पता चलता है कि यह मुद्दा अभी पूरी तरह से सुलझा नहीं है। मजदूर ज्यादा वेतन चाहते हैं, लेकिन मालिक लागत को लेकर चिंतित हैं। नीति बनाने वालों के सामने एक मुश्किल दुविधा है। जैसे-जैसे भारत नई वेतन व्यवस्था लागू कर रहा है, एक सवाल उठ रहा है कि क्या न्यूनतम मजदूरी जरूरी है या नहीं। बल्कि असल सवाल यह है कि, जिस तरीके से इसे तय किया जा रहा है, क्या उसकी वजह से लाखों लोग औपचारिक रोजगार से बाहर हो रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बदलेगा मौसम का मिजाज, धूल भरी आंधी और बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली वासियों को जल्द ही धूल भरी आंधी और वर्षा के चलते तपती गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को शहर के विभिन्न हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की वर्षा या बूंदाबांदी हो सकती है, जिससे पारे में भी कमी दर्ज की जाएगी। हालांकि, सोमवार को दिल्ली के कुछ इलाकों में लू का असर बरकरार रह सकता है। रविवार को सुबह से ही तेज धूप ने लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, धूप और तीखी होती गई, जिससे अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री ऊपर यानी 42.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इस दौरान हवा की रफ्तार 20 से 30 किमी प्रति घंटे रही और नमी का स्तर 22 से 60 प्रतिशत के बीच दर्ज किया गया। राहत की

बात यह है कि पिछले तीन दिनों से जारी लू के प्रकोप में रविवार को मामूली कमी देखी गई। शनिवार को तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस था, जो बादलों की आवाजाही के कारण रविवार को 0.7 डिग्री गिर गया। मौसम विभाग के मानकों के मुताबिक, रविवार को तकनीकी तौर पर लू की स्थिति नहीं रही, जिससे दिल्लीवालों को झुलसाने वाली गर्मी से हल्की सी राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार, हर पांच दिन में 'सामान्य तापमान' के मानक को अपडेट किया जाता है। 21-25 अप्रैल के लिए यह मानक 37.7 डिग्री था।

ई-कचरे का बढ़ता संकट: महंगे सुधार और पुर्जों की कमी से दम तोड़ रही भारत की मरम्मत संस्कृति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली और एनसीआर सहित पूरा भारत अपनी 'जुगाड़' और पुराने सामान को मरम्मत कराकर चलाने वाली संस्कृति के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन हालिया अध्ययन बताते हैं कि बढ़ती खरीदारी और तकनीक के दौर में भारत की यह पारंपरिक रिपेयर संस्कृति अब खतरे में है। पर्यावरण थिंक टैंक टाक्सिक लिंक की नई रिपोर्ट 'स्टिच इन टाइम' के अनुसार महंगे रिपेयर खर्च और पुर्जों की कमी के कारण भारतीय अब मरम्मत के बजाय नया सामान खरीदना ज्यादा पसंद कर रहे हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार बढ़ते ई-कचरे से निपटने के लिए केवल रिसाइक्लिंग काफी नहीं है। अगर भारत को टिकाऊ भविष्य की

ओर बढ़ना है, तो उसे अपनी पुरानी 'मरम्मत संस्कृति' को आधुनिक कलेवर में वापस लाना होगा। ताकि भविष्य में ये लोगों के लिए मुसीबत नहीं बने। कहीं मजबूरी, कहीं पसंद यह अध्ययन दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता, नागपुर और रांची जैसे पांच प्रमुख शहरों में किया गया, जिसमें चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं।

दिल्ली और हैदराबाद : यहां के उपभोक्ता, चाहे वे किसी भी आय वर्ग के हों, पुराने सामान को बदलने (रिप्लेसमेंट) में सबसे आगे हैं। कोलकाता और रांची : रांची में आज भी लोग बचत और टिकाऊपन को प्राथमिकता देते हैं, जबकि कोलकाता में पुराना मजबूत सर्विस नेटवर्क अभी भी रिपेयर संस्कृति को जीवित रखे हुए है। टाक्सिक लिंक की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी स्वाति भूषण कहती हैं कि रिपेयर की मांग तो है, लेकिन असली पुर्जों की अनुपलब्धता और सर्विस बैरियर ग्राहकों को नया सामान खरीदने पर मजबूर कर रहे हैं। वहीं, टाक्सिक लिंक के एसोसिएट डायरेक्टर सतीश सिन्हा का कहना है कि भारत को 'सर्कुलर इकोनामी' (जहां कचरा कम हो और संसाधन बार-बार इस्तेमाल हों) की ओर बढ़ने के लिए रिपेयर संस्कृति को नीतिगत समर्थन देना होगा। रिपोर्ट में कुछ प्रमुख सुझाव दिए गए हैं।-

इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की पार्टियों का विलय

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही ईरान युद्ध के चलते लोगों की आलोचना झेल रहे हैं। अब नेतन्याहू की परेशानी ओर बढ़ने वाली है। दरअसल इस्राइल के पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट और येर लैपिड की राजनीतिक पार्टियों का विलय हो गया है। दोनों ने मिलकर 'न्यू टुगेदर' नाम से नई पार्टी बनाई है, जिसका नेतृत्व नेफ्ताली बेनेट करेंगे। यरूशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों नेताओं ने शनिवार को अपनी-अपनी पार्टियों येस एटिड और बेनेट 2026 के विलय का एलान किया। इस्राइल में आगामी अक्तूबर तक आम चुनाव होने हैं। ऐसे में न्यू टुगेदर के बैनर तले ही दोनों पार्टियों के नेता चुनाव लड़ेंगे। इस विलय से विपक्षी गुट को मजबूती मिलने की

उम्मीद है और इससे इस्राइल के राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव की उम्मीद की जा रही है। पूर्व पीएम नेफ्ताली बेनेट ने इसे ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा, मैं अपने देश के लिए अब तक का सबसे देशभक्तिपूर्व और यहूदीवादी कदम उठा रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह एकता विभाजन के युग का अंत है। येर लैपिड ने भी मतदाताओं से नई पार्टी का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि देश को नेफ्ताली बेनेट के पीछे एकजुट होना चाहिए। उन्होंने हंगरी का उदाहरण दिया, जहां एकजुट विपक्ष ने जीत हासिल की।

7 अक्तूबर के हमलों की उच्च स्तरीय जांच का एलान: नई पार्टी ने एलान कर दिया है कि वे सिर्फ यहूदी दलों के साथ गठबंधन करेंगे।

पत्रकार पर भड़के ट्रंप: टॉमस के आरोप पर सवाल सुनकर बोले- हमलावर मानसिक रोगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक टीवी इंटरव्यू के दौरान पत्रकार से तीखा विवाद हो गया। यह टकराव उस समय हुआ जब उनसे वाशिंगटन हिल्टन में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी और आरोपी कोल टॉमस एलन के कथित घोषणापत्र (मैनिफेस्टो) को लेकर सवाल पूछा गया। इंटरव्यू के दौरान पत्रकार नोराह ओ'डोनेल ने संदिग्ध हमलावर द्वारा कथित रूप से लिखे गए दस्तावेज के कुछ अंश पढ़कर सुनाए। दस्तावेज में प्रशासनिक अधिकारियों को निशाना बताए जाने का दावा किया गया था। साथ ही उसमें 'बाल यौन शोषण करने वाला, दुष्कर्मी और देशद्रोही' जैसे शब्द भी लिखे होने की बात कही गई। इस पर ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने पत्रकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा

कि मैं इंतजार कर रहा था कि आप यह पढ़ें, क्योंकि आप लोग बहुत खराब हैं। उन्होंने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि मैं दुष्कर्मी नहीं हूं... मैंने किसी के साथ ऐसा कुछ नहीं किया।

जब उनसे पूछा गया कि क्या दस्तावेज में लिखी बातें उनके लिए थीं, तो ट्रंप ने बीच में रोकते हुए कहा, मैं बच्चों का यौन शोषण करने वाला नहीं हूं... आप किसी मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति की लिखी बात पढ़ रही हैं? मुझे पूरी तरह निर्दोष साबित किया जा चुका है।

इंटरव्यू के दौरान बढ़ा तनाव: बातचीत तेजी से गरमा गई। ट्रंप ने पत्रकार पर आरोप लगाया कि वह एक खराब मानसिक संतुलन वाले व्यक्ति के शब्दों को मंच दे रही हैं। उन्होंने इस तरह के सवालों को शर्मनाक बताया। साथ ही कहा कि जांच एजेंसियां हमलावर के मकसद की पड़ताल कर रही हैं।

ईरान के विदेश मंत्री वापस इस्लामाबाद लौटे; ट्रंप-मैक्रों और स्टार्मर ने होर्मुज पर की चर्चा

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने रविवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और क्षेत्रीय संकट को सुलझाने के लिए चल रहे कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। ईरान के 'प्रेस टीवी' की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में अराघची ने सुल्तान को पश्चिम एशिया में हाल ही में हुए घटनाक्रम के बारे में ईरान का नजरिया बताया, खासकर इस्राइल और अमेरिका के संयुक्त हमलों के बाद की स्थिति पर। उन्होंने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बढ़ाने के लिए ओमान के संवाद और मध्यस्थता के प्रयासों की सराहना की। सुल्तान हैथम ने कहा कि ओमान हमेशा कोशिश करता है कि बातचीत के जरिए लंबे समय तक टिकने वाले राजनीतिक समाधान निकाले जाएं और आम लोगों पर संकट का असर कम हो। उन्होंने जोर दिया कि समस्याओं का हल बातचीत और कूटनीति से ही होना चाहिए।

ईरान के विदेश मंत्री अराघची वापस इस्लामाबाद लौटे: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमान की यात्रा के बाद फिर से पाकिस्तान की

राजधानी इस्लामाबाद पहुंचे। यह जानकारी रॉयटर्स ने सरकारी मीडिया के हवाले से दी है। अराघची इससे एक दिन पहले इस्लामाबाद से रवाना हुए थे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया था कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को युद्ध समाप्त करने के लिए एक व्यावहारिक ढांचे के बारे में ईरान का रुख बताया था। उनके जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी है। अराघची ने यह भी कहा कि अभी यह साफ नहीं है कि अमेरिका वास्तव में कूटनीति को लेकर गंभीर है या नहीं।

स्टार्मर में ट्रंप और मैक्रों से की बात, होर्मुज पर चर्चा: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री परिवहन को फिर से शुरू करने की तत्काल जरूरत पर चर्चा की।डाउनिंग स्ट्रीट के प्रवक्ता के अनुसार, दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही फिर से शुरू करना बेहद जरूरी है, क्योंकि इसके रुकने से वैश्विक अर्थव्यवस्था और ब्रिटेन सहित दुनियाभर में जीवनयापन की लागत पर गंभीर असर पड़ रहा है। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री स्टार्मर ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ मिलकर समुद्री मार्गों में स्वतंत्र आवाजाही बहाल करने के लिए चल रही संयुक्त पहल की प्रगति की जानकारी ट्रंप को दी।

ईरानी विदेश मंत्री ने कतर के पीएम से की बात: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी से फोन पर बातचीत की है। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने युद्ध को खत्म करने और क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की।अराघची ने बताया कि उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री को युद्धविराम से जुड़ी मौजूदा स्थिति और उसे मजबूत बनाने में आ रही चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरान लगातार युद्ध समाप्त करने और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। युद्धविराम वार्ता का भविष्य अभी स्पष्ट नहीं है। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की इस्लामाबाद यात्रा रद्द कर दी थी, जो अराघची के शहर से रवाना होने के बाद तय हुई थी।

पश्चिम एशिया में ताजा घटनाक्रम-: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ओमान के सुल्तान से मस्कट में मुलाकात की, जहां क्षेत्र के हालात और युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा हुई। अराघची वापस पाकिस्तान लौट सकते हैं, जहां उन्होंने पहले पाकिस्तानी अधिकारियों से उच्च स्तरीय बातचीत की थी और समझौते के लिए ईरान की शर्तें रखी थीं। दक्षिणी लेबनान में संघर्ष जारी है, जहां इस्राइली हमलों में सात लोगों की मौत और 24 लोग घायल हुए हैं। इस्राइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्षविराम के बावजूद तनाव बना हुआ है और हिजबुल्ला ने इस्राइली सैनिकों पर ड्रोन हमले करने का दावा किया है।

ईरानी राष्ट्रपति बोले- दबाव में आकर बातचीत नहीं करेगा तेहरान: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने स्पष्ट किया है कि उनका माहौल में किसी भी तरह की बातचीत नहीं करेगा।

झण्डा दिवस में उत्कृष्ट प्रदर्शन : लक्ष्य से अधिक राशि संग्रह पर सीधी जिला प्रशासन सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस वर्ष 2024-25 के अंतर्गत सीधी जिले ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि संग्रहित की है। जिले के लिए तय 5 लाख 97 हजार 700 रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 6 लाख 6 हजार 757 रुपये की धनराशि एकत्रित की गई जो प्रशासन की सक्रियता और जनसहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। इस सराहनीय प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल द्वारा जिला प्रशासन को प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान न केवल जिले के प्रशासनिक अधिकारियों के प्रयासों की पहचान है बल्कि जिलेवासियों की देशभक्ति और सहयोग भावना का भी प्रतीक है। जिला

सैनिक कल्याण अधिकारी द्वारा आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान कलेक्टर कार्यालय को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस उपलब्धि को सामूहिक प्रयासों का परिणाम बताया और भविष्य में भी इसी प्रकार के कार्यों में अग्रणी रहने का संकल्प व्यक्त किया। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस का उद्देश्य देश के वीर सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों के कल्याण हेतु धनराशि एकत्रित करना होता है। इस दिन आमजन से स्वेच्छा से सहयोग लेकर सैनिकों के सम्मान और उनके परिवारों की सहायता के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। सीधी जिले में भी इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया गया जिससे लोगों ने बढ़-चढ़कर योगदान दिया। जिला प्रशासन ने विभिन्न विभागों, शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों के सहयोग से इस अभियान को सफल बनाया। अधिकारियों ने स्वयं भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप, निर्धारित लक्ष्य से अधिक राशि एकत्रित करना संभव हो सका। प्रशासन के अनुसार इस उपलब्धि के पीछे सभी विभागों का समन्वित प्रयास, योजनाबद्ध रणनीति और जनसहभागिता प्रमुख कारक रहे हैं। विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों ने भी इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिय जिससे समाज में देशभक्ति और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को बल मिला। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि के लिए सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी और राष्ट्रसेवा से जुड़े अभियानों को इसी उत्साह के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। यह सम्मान जिले के लिए गर्व का विषय है और इससे प्रशासन तथा नागरिकों को आगे भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के माध्यम से एकत्रित की गई यह राशि देश के वीर सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान देगी जो समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को भी दर्शाती है।

NCL अमलोरी परियोजना के पास जंगल में आग : जीएम कार्यालय प्रबंधन पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में एनसीएल अमलोरी परियोजना के ठीक पास जंगल में लगी आग ने एक बार फिर प्रबंधन की जिम्मेदारी और तत्परता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना स्थल से महाप्रबंधक (जीएम) का कार्यालय महज करीब 500 मीटर की दूरी पर मौजूद है बावजूद इसके आग पर समय रहते काबू पाने की कोई ठोस कोशिश नजर नहीं आई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार जंगल में आग धीरे-धीरे विकराल रूप लेती गई पेड़-पौधे जलते रहे और पूरे इलाके में घना धुआं फैल गया जिससे आसपास के लोग दहशत में आ गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि आग बढ़ती रही लेकिन मौके पर न तो फायर ब्रिगेड की तत्परता दिखी और न ही एनसीएल प्रबंधन की ओर से कोई तत्काल कार्रवाई की गई। एक स्थानीय निवासी विजय सिंह ने बताया कि हम लोग डर गए थे आग तेजी से फैल रही थी लेकिन मदद के लिए कोई नहीं आया सब कुछ जैसे नजरअंदाज किया गया। इस घटना के बाद यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या एनसीएल केवल कागजों में ही सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की बात करता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब जीएम कार्यालय इतनी नजदीक है तो क्या यह आग प्रबंधन की नजर से ओझल रही या जानबूझकर अनदेखी की गई फिलहाल इस मामले में एनसीएल की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मॉडल साइंस कॉलेज में बस शुल्क विवाद

एनएसयूआई का विरोध,10 दिन में समाधान नहीं तो आंदोलन की चेतावनी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। पीएम एक्सीलेंस (मॉडल साइंस कॉलेज) में छात्रों से कथित रूप से जबरन बस शुल्क वसूले जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस मुद्दे को लेकर एनएसयूआई रीवा के जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जोरदार विरोध दर्ज कराया और छात्र हितों की रक्षा के लिए कड़ा रुख अपनाया है। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में छात्रों पर अनिवार्य रूप से बस शुल्क थोपे जाने को अनुचित बताते हुए तत्काल निराकरण की मांग की गई। एनएसयूआई का कहना है कि यह निर्णय न केवल छात्र विरोधी है बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों पर अतिरिक्त बोझ भी डाल रहा है। जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि कॉलेज में बसों की संख्या सीमित है और उनका संचालन केवल दो राउंड में प्रस्तावित है। ऐसे में हजारों छात्रों से बस शुल्क वसूलना तर्कसंगत नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब बसों की क्षमता 35 से 40 सीटों तक सीमित है तो लगभग सात हजार छात्रों को सुविधा देना संभव कैसे होगा यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है और प्रशासन की लापरवाही को दर्शाती है। एनएसयूआई ने स्पष्ट किया है कि बस शुल्क केवल उन्हीं छात्रों से लिया जाना चाहिए जो वास्तव में इस सेवा का उपयोग करते हैं सभी छात्रों पर समान रूप से शुल्क लागू करना अन्यायपूर्ण है और इससे विशेष रूप से गरीब एवं मध्यमवर्गीय छात्रों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान छात्र नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन द्वारा बिना पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित किए ही शुल्क वसूली शुरू कर दी गई है जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने मांग की है कि इस निर्णय को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए और छात्रों को राहत प्रदान की जाए। एनएसयूआई ने चेतावनी दी है कि यदि 10 दिनों के भीतर इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो संगठन बड़े स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। पंकज उपाध्याय ने कहा कि आंदोलन उग्र और व्यापक होगा जिसमें सैकड़ों छात्र भाग लेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

त्योंथर में टिकट कटने के बाद मिले भाजपा नेता, विधायक ने पूर्व विधायक को पहनाई माला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के त्योंथर में एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान मौजूदा भाजपा विधायक सिद्धार्थ तिवारी और पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी एक साथ नजर आए। विधानसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद से चल रही अनबन के बीच दोनों नेताओं की यह पहली सार्वजनिक मुलाकात है। सामने आए वीडियो में दोनों नेताओं की मुलाकात केवल औपचारिक नजर आ रही है। फुटेज के अनुसार विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने पूर्व विधायक श्यामलाल द्विवेदी के पास पहुंचकर उन्हें माला पहनाई और तुरंत अपनी सीट की ओर आगे बढ़ गए। इस दौरान श्यामलाल द्विवेदी उनका हाथ पकड़कर अभिवादन करते दिखे लेकिन तब तक सिद्धार्थ आगे निकल चुके थे। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने त्योंथर से तत्कालीन विधायक श्यामलाल द्विवेदी का टिकट काटकर सिद्धार्थ तिवारी को अपना प्रत्याशी बनाया था। इस फैसले के बाद से ही दोनों नेताओं के बीच दूरियां बन गई थीं चुनाव के बाद से दोनों को कभी किसी सार्वजनिक मंच पर एक साथ नहीं देखा गया था।

लू का येलो अलर्ट जारी :41 डिग्री पहुंचा तापमान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में भीषण गर्मी का असर तेज हो गया है। आज सोमवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया गर्म हवाओं और नमी के कारण महसूस होने वाला तापमान 44 से 45 डिग्री तक पहुंच गया है। इसी को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लू को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले कुछ सालों के आंकड़ों की तुलना में इस बार गर्मी ज्यादा तेज है। 2025 में तापमान 39 डिग्री, 2024 में 40 डिग्री, 2023 में 38.5 डिग्री और 2022 में 37 डिग्री सेल्सियस रहा था। जिला अस्पताल की सिविल सर्जन डॉ. कल्पना रवि ने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सतर्क कर दिया गया है। लू से प्रभावित मरीजों के लिए अलग बेड, दवाएं और जरूरी उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। सभी सब सेंटर, पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में लू मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है पंखे, कूलर और जहां संभव है वहां एसी की सुविधा भी बढ़ाई जा रही है साथ ही जरूरी मेडिकल उपकरण और दवाएं पर्याप्त मात्रा में रखी गई हैं। मेडिकल टीम ने लोगों से दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, तेज बुखार, सिरदर्द, मतली और बेहोशी लू यानी हीट स्ट्रोक के संकेत हैं ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल जाने की सलाह दी गई है।

जयंत में NCL जमीन से कब्जा हटाने पर विवाद : परिजनों ने जबरन बाउंड्री तोड़ने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के जयंत क्षेत्र की गोलाई बस्ती में एनसीएल की जमीन से अवैध कब्जा हटाने को लेकर देर रात विवाद हो गया एनसीएल सिक्योरिटी ने कार्रवाई करते हुए उस जमीन से निर्माण हटाया जहां बब्बू बंसल की ओर से निर्माण कार्य किया जा रहा था। एनसीएल प्रबंधन के अनुसार यह भूमि कंपनी की संपत्ति है अतिक्रमण की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा टीम को मौके पर भेजकर कब्जा हटाया गया। अधिकारियों ने बताया कि इस क्षेत्र में अक्सर रात के समय अवैध कब्जे के प्रयास होते रहते हैं जिन्हें रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई। दूसरी ओर बब्बू बंसल के परिजनों ने इस कार्रवाई पर गंभीर आरोप लगाए हैं उनका कहना है कि वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद अखिलेश सिंह, भाजपा बूथ अध्यक्ष विजय सिंह और उनके सहयोगियों ने मिलकर जबरन बाउंड्री गिरा दी परिजनों ने इसे गरीब परिवार के साथ अन्याय बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। इस मामले पर पार्षद अखिलेश सिंह ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है उन्होंने कहा कि कुछ दबंगों की ओर से एक गरीब शख्स की बाउंड्री को जबरन तोड़ा गया। इसके विरोध में वे पीड़ित परिवार के साथ पुलिस चौकी पहुंचे हैं और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

गेहूं उपार्जन में नई व्यवस्था : मध्यम व बड़े किसानों के लिए स्लॉट बुकिंग शुरू , 9 मई तक बढ़ी अवधि

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में गेहूं उपार्जन प्रक्रिया को अधिक सुव्यवस्थित और किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा स्लॉट बुकिंग की सुविधा का विस्तार किया गया है। अब छोटे किसानों के साथ-साथ मध्यम एवं बड़े कृषक भी इस सुविधा का लाभ उठाकर निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपनी उपज का विक्रय कर सकेंगे शासन द्वारा स्लॉट बुकिंग की अंतिम तिथि 9 मई तक बढ़ा दी गई है जिससे अधिक से अधिक किसान इस व्यवस्था से जुड़ सकें। इस नई व्यवस्था के तहत किसान पहले से स्लॉट बुक कर निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्रों में पहुंचेंगे जिससे भीड़भाड़, लंबी प्रतीक्षा और अव्यवस्था जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी प्रशासन का मानना है कि इससे

उपार्जन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुचारू बनेगी। कलेक्टर संजय कुमार जैन ने गत दिवस पन्नी स्थित गेहूं उपार्जन केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर तौल व्यवस्था, भंडारण, साफ-सफाई और किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्लॉट बुकिंग प्रणाली का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि जिले के अधिक से अधिक किसान इसका लाभ उठा सकें। कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सभी आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए उन्होंने तौल प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने उपस्थित किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने। किसानों ने स्लॉट बुकिंग व्यवस्था को उपयोगी बताते हुए प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों से प्राप्त सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं में निरंतर सुधार किया जाए। उल्लेखनीय है कि जिले में राज्य शासन के निर्देशानुसार पंजीकृत किसानों से स्लॉट बुकिंग के आधार पर गेहूं की खरीदी की जा रही है। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 40 रुपये बोनस जोड़कर कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं उपार्जन किया जा रहा है जिले में कुल 26 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं जहां यह प्रक्रिया संचालित हो रही है।

वन्य जीवों की गणना के लिए कैमरा ट्रैपिंग : एमस्ट्राइप्स और U AI से वन्य जीवों की सटीक पहचान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में वन्य प्राणियों की सटीक गणना और उनकी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैपिंग तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। सीधी वन मंडल के बरम बाबा बीट अंतर्गत जंगलों में इन दिनों आधुनिक कैमरे लगाए जा रहे हैं ये कैमरे बाघ, तेंदुआ समेत अन्य वन्य जीवों की मौजूदगी और उनके मूवमेंट को रिकॉर्ड करेंगे। कैमरा ट्रैपिंग एक वैज्ञानिक तकनीक है जो मोशन सेंसर सिस्टम पर आधारित होती है। जैसे ही कोई जंगली जानवर कैमरे के सामने से गुजरता है यह स्वत: उसकी तस्वीर कैप्चर कर लेता है। वन विभाग जंगल को छोटे-छोटे ग्रिड में विभाजित कर प्रत्येक 1-2 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में कैमरों की जोड़ी लगा रहा है। ये कैमरे लगभग 30 से 45 दिनों तक सक्रिय रहेंगे। यह तकनीक बाघों की पहचान के लिए बेहद कारगर मानी जाती है क्योंकि उनके शरीर पर बनी धारियां इंसानों के फिंगरप्रिंट की तरह अद्वितीय होती हैं। इन तस्वीरों का विश्लेषण कर बाघों की सटीक संख्या का आकलन किया जाता है। अब एमस्ट्राइप्स ऐप और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से डेटा प्रोसेसिंग को और अधिक तेज और विश्वसनीय बनाया जा रहा है। वनपाल पंकज मिश्रा ने बताया कि पिछले चार दिनों से लगातार कैमरे लगाए जा रहे हैं। इस अभियान में संजय टाइगर रिजर्व की टीम क्षेत्रीय वन समिति के अध्यक्ष और अन्य सहयोगी शामिल हैं जो वन विभाग के साथ मिलकर इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने में जुटे हैं। कैमरे खासतौर पर नदियों के किनारे जंगल के चौराहों और उन स्थानों पर लगाए जा रहे हैं जहां वन्य जीवों की आवाजाही अधिक रहती है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत पहल : सीधी के विद्यार्थियों ने नागालैंड की संस्कृति को जाना, हवाई यात्रा से किया शैक्षणिक भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत सीधी जिले के विद्यार्थियों को पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस योजना के तहत मध्यप्रदेश राज्य की जोड़ी मणिपुर और नागालैंड के साथ बनाई गई है जिसका उद्देश्य विभिन्न राज्यों के बीच सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता को मजबूत करना है। इसी क्रम में जिले के विद्यालयों में विद्यार्थियों को मणिपुर एवं नागालैंड की परंपराओं, जीवनशैली और सांस्कृतिक विविधताओं से अवगत कराने हेतु कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। भाषण, नृत्य, नाटक, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों में इन राज्यों के प्रति रुचि और जागरूकता विकसित की गई। एपीसी रमसा डॉ. सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय उपनी के छात्र मुकेश कोरी एवं मॉडल स्कूल खजुरी की छात्रा अंकिता तिवारी का चयन नागालैंड के शैक्षणिक भ्रमण के लिए किया गया। दोनों विद्यार्थियों ने 20 से 24 अप्रैल तक भोपाल से हवाई मार्ग द्वारा नागालैंड की यात्रा की, जो उनके लिए एक अनूठा और प्रेरणादायक अनुभव रहा। भ्रमण से लौटने के बाद विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि नागालैंड की जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक परिधान, लोकनृत्य और खान-पान अत्यंत आकर्षक एवं विशिष्ट हैं। उन्होंने वहां के लोगों के सरल स्वभाव, आपसी भाईचारे और प्राकृतिक सौंदर्य की भी सराहना की। विद्यार्थियों के अनुसार यह यात्रा न केवल ज्ञानवर्धक रही बल्कि उन्हें देश की विविधता को समझने का अवसर भी मिला। इस शैक्षणिक भ्रमण में मार्गदर्शन हेतु उपनी विद्यालय की शिक्षिका कृष्णा मिश्रा और अमरवाह हायर सेकंडरी के शिक्षक हेमांगद शुक्ल भी साथ रहे। शिक्षिका कृष्णा मिश्रा ने बताया कि ऐसे भ्रमण विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे उनमें राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक सम्मान और व्यापक दृष्टिकोण विकसित होता है। जिला शिक्षा अधिकारी पवन कुमार सिंह एवं एडीपीसी ओशो उत्सव ने चयनित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहल से विद्यार्थियों को देश की विविधता को नजदीक से समझने का अवसर मिलता है।

बरातियों से भरी पिकअप पलटी एक की मौत, 3 गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक शख्स की मौत हो गई जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सेमरा तिराहे के पास हुआ जब बरातियों को लेकर लौट रहा एक मालवाहक अनियंत्रित होकर पलट गया। पुलिस के अनुसार गोहपारू के सोनटोला गांव से बारात छत्तीसगढ़ के मलतढोल गई थी। विवाह समारोह संपन्न होने के बाद बाराती अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान ग्राम सेमरा तिराहे के पास वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने राहत कार्य शुरू किया। उन्होंने घायलों को वाहन से बाहर निकाला और गोहपारू अस्पताल पहुंचाया। घायलों में सुंदर सिंह (40), पिता रामलाल और तीन अन्य व्यक्ति शामिल थे। गोहपारू अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद सुंदर सिंह की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल शहडोल रेफर किया गया वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अन्य तीन घायलों को भी बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है जहां उनका उपचार जारी है।

चिट्टे के खिलाफ महिलाएं :घर से शुरू हुई नशे के खिलाफ लड़ाई

संपादकीय

आमतौर पर नशाखोरी के खिलाफ जब किसी गांव को 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह आधिकारिक तौर पर एक सामाजिक चेतावनी होती है। लेकिन शिमला के कुछ हिस्सों में घोषित यह चेतावनी पुलिस या प्रशासन द्वारा नहीं, बल्कि उन महिलाओं द्वारा जारी की गई है जो परिवारों व समाज को नशे के नासूर से बचाना चाहती हैं। पति हो या बेटा, नशे की हर त्रासदी का त्रास महिलाएं ही भुगतती हैं। वह चाहे किसी अपने को असमय खोना हो या आर्थिक रूप से पारिवारिक क्षति हो। यही वजह है कि नशे के खिलाफ अभियान को जमीनी हकीकत बनाने के मकसद से माताएं, बहनें और पत्नियां घर की चौखट से बाहर निकलकर सार्वजनिक रूप से मुखर हुई हैं। महिलाओं के नेतृत्व में चलने वाले इस अभियान को गति देने के लिये सतर्कता समूह बनाये गए हैं। जिसमें नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिये रात्रि गश्त भी शामिल है। साथ ही नशे की लत के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक ले जाने में पहल की जा रही है। निस्संदेह, महिलाएं पुरुष व्यवहार को समझने में खासी संवेदनशील होती हैं। वे नशा करने वाले किसी पारिवारिक सदस्य के व्यवहार में बदलाव, भावनात्मक टूटन व नशे के कारण होने वाली आर्थिक तंगी पर पैनी दृष्टि रखती हैं। उनके व्यक्तिगत अनुभवों के फलस्वरूप वे आधिकारिक रिपोर्ट आने से पहले ही नशे की लत में जकड़े लोगों को पहचानने का प्रयास करती हैं।

निस्संदेह, जमीनी स्तर पर चलाए जा रहे इस अभियान के सार्थक परिणाम आने की उम्मीद जगी है। निर्विवाद रूप से पुलिस व प्रशासन की छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति पर किसी हद तक अंकुश लगा सकती हैं, लेकिन टूट-बिखर रहे घरों को नहीं बचाया जा सकता। निस्संदेह, नशाखोरी के कई सामाजिक आयाम भी हैं, जिसे सामाजिक स्तर पर पहल करके रोका जा सकता है। रचनात्मक पहल से ही उन कारकों को संबोधित किया जा सकता है जो नशीले पदार्थों को बढ़ावा देते हैं। वाकई सामुदायिक स्तर पर सतर्कता बेहद जरूरी है और महिलाएं इसका नेतृत्व करने में सक्षम भूमिका का निर्वहन कर सकती हैं। सही मायनों में हिमाचल सरकार की 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और 'महिला मंडलों' की सार्थक पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस रचनात्मक पहल को संस्थागत स्तर भी समर्थन देने की जरूरत है क्योंकि नशे के कारोबार में संगठित गिरोह भी गहरे तक जुड़े रहते हैं। ऐसे में मादक पदार्थों के तस्करों का सामना करने वाली महिलाओं को अपराधियों की धमकी आदि जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है। जिसके लिये सक्रिय पुलिसिंग, गवाहों को सुरक्षा देने, नशा मुक्ति के लिए पुनर्वास सुविधाएं और लगातार जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता भी होगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति पर हमला मतलब सुरक्षा में भारी चूक

सौरभ वार्ष्णेय

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर–जो परंपरागत रूप से प्रेस की स्वतंत्रता और सत्ता के बीच संवाद का प्रतीक माना जाता है। इस बार एक भयावह सुरक्षा चूक का गवाह बन गया। जिस आयोजन में पत्रकार, राजनेता और नीति-निर्माता एक मंच पर आते हैं, वहीं गोलियों की आवाज़ ने लोकतंत्र के इस उत्सव को दहशत में बदल दिया। शनिवार रात आयोजित इस कार्यक्रम में एक सशस्त्र हमलावर ने सुरक्षा घेरा तोडने की कोशिश की और गोलीबारी कर दी। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि अमेरिकी राष्ट्रपति को तत्काल कार्यक्रम से सुरक्षित बाहर लेकर जाना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति पर हुआ हमला केवल एक व्यक्ति या पद पर आघात नहीं है, बल्कि यह विश्व के सबसे पुराने लोकतंत्रों में से एक की संस्थाओं, स्थिरता और सुरक्षा व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह है। अमेरिका जैसे देश, जो वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और कानून के शासन का प्रतिनिधित्व करता है, वहां इस तरह की घटना गहरी चिंता पैदा करती है।

सबसे पहले, यह घटना बताती है कि दुनिया के सबसे सशक्त देशों में भी सुरक्षा तंत्र अभेद्य नहीं है। राष्ट्रपति की सुरक्षा को अत्यंत उच्च स्तर का माना जाता है, फिर भी यदि उस पर हमला संभव हो जाता है, तो यह सुरक्षा एजेंसियों की रणनीति और खुफिया तंत्र की समीक्षा की मांग करता है। यह केवल तकनीकी विफलता नहीं, बल्कि संभावित रूप से बढ़ती आंतरिक अस्थिरता का संकेत भी हो सकता है। दूसरा पहलू राजनीतिक ध्रुवीकरण का है। हाल के वर्षों में अमेरिका में वैचारिक विभाजन तीव्र हुआ है। ऐसी परिस्थितियों में हिंसक घटनाएं केवल सुरक्षा की कमी नहीं, बल्कि सामाजिक असंतोष और राजनीतिक कट्टरता के उभार का परिणाम भी हो सकती हैं। यदि लोकतांत्रिक संवाद की जगह आक्रोश और हिंसा ले लेते हैं, तो यह किसी भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। तीसरा, इस घटना के अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। अमेरिका वैश्विक राजनीति का केंद्र है, और वहां की अस्थिरता का असर विश्व अर्थव्यवस्था, कूटनीति और सुरक्षा पर पड़ सकता है। सहयोगी देशों के लिए यह चिंता का विषय है कि क्या अमेरिका अपनी आंतरिक चुनौतियों के बीच वैश्विक नेतृत्व की भूमिका प्रभावी ढंग से निभा पाएगा।

हालांकि, यह भी ध्यान देने योग्य है कि लोकतंत्र की असली ताकत उसकी पुनरुत्थान क्षमता में होती है। अमेरिका ने अपने इतिहास में कई संकट देखे हैं–चाहे वह गृहयुद्ध हो, आतंकवादी हमले हों या राजनीतिक उथल-पुथल–और हर बार उसने संस्थाओं को मजबूत करते हुए आगे बढने का प्रयास किया है। यह घटना एक स्पष्ट संदेश देती है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि उसे निरंतर संवाद, सहिष्णुता और संस्थागत मजबूती की आवश्यकता होती है। अमेरिका के लिए यह आत्ममंथन का क्षण है–और दुनिया के अन्य लोकतंत्रों के लिए भी एक चेतावनी कि राजनीतिक असहमति को हिंसा में बदलने से रोकना कितना आवश्यक है।

यह घटना सिर्फ एक आपराधिक कृत्य नहीं, बल्कि सुरक्षा व्यवस्था की गहरी खामियों को उजागर करती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर होटल में पहले से ठहरा हुआ था और सुरक्षा जांच में कई स्तरों पर चूक हुई–यहां तक कि कुछ क्षेत्रों में पर्याप्त निगरानी और मेटल डिटेक्टर जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं भी नहीं थीं।सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि हमलावर हथियारों के साथ कार्यक्रम स्थल के काफी करीब पहुंच गया और उसने एक सुरक्षा चौकी पर हमला किया। यदि यह हमला कुछ सेकंड और सफल हो जाता, तो इसके परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते थे। एक एजेंट के घायल होने की खबर इस बात का संकेत है कि खतरा कितना वास्तविक था। यह सवाल उठना स्वाभाविक है–क्या अमेरिका जैसे देश में, जहां सुरक्षा एजेंसियां दुनिया की सबसे सक्षम मानी जाती हैं, इतनी बड़ी चूक कैसे हो सकती है? व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह उस लोकतांत्रिक भावना का प्रतीक है जहां सत्ता और मीडिया एक साथ बैठकर संवाद करते हैं। लेकिन यह घटना बताती है कि खुलापन और सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना कितना कठिन हो गया है।

सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र:विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस

सुनील कुमार महला

प्रतिवर्ष 28 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आइएलओ) द्वारा विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। वास्तव में,इस दिवस का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थलों पर काम करने वालों की उचित सुरक्षा, उनके बेहतर स्वास्थ्य तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस हमें यह याद दिलाता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल कर्मचारियों का अधिकार ही नहीं, बल्कि उत्पादकता(प्रोडेक्टीविटी) बढ़ाने और समाज तथा राष्ट्र के आर्थिक विकास के लिए भी अनिवार्य है। सच तो यह है कि कोई भी काम किसी व्यक्ति की जान या उसके स्वास्थ्य से बड़ा नहीं हो सकता। स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है।हमारे यहां कहा भी गया है कि-पहला सुख निरोगी काया। दुनिया की तमाम धन-दौलत, ऊंचे पद और सुख-सुविधाएं, विलासिता सबकुछ व्यर्थ हैं, यदि मनुष्य का शरीर स्वस्थ न हो। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ मस्तिष्क ही हमारी रचनात्मक सोच का आधार है और मस्तिष्क व शरीर स्वस्थ होगा तभी कोई मनुष्य कठिन परिश्रम कर सकता है।सच तो यह है कि जब हम स्वस्थ और सुरक्षित होते हैं, तब अधिक रचनात्मक, अधिक उत्पादक बनते हैं और जीवन में सफलता का आधार तैयार करते हैं। स्वस्थ रहकर हम न केवल अपने जीवन का असली आनंद लेते हैं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुरक्षित व सही रख सकते हैं। अक्सर यह कहा जाता कि एक बीमार राजा की तुलना में एक स्वस्थ भिखारी अधिक सुखी और शक्तिशाली होता है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन विश्वभर में विभिन्न श्रमिकों के अधिकारों तथा सुरक्षित कार्यस्थलों के लिए कार्य करता है।पाठक जानते हैं कि आज पूरी दुनिया में हर वर्ष लाखों लोग कार्यस्थल दुर्घटनाओं या काम से जुड़ी अनेक बीमारियों व रोगों का शिकार होते हैं।विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवसको मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल दुर्घटनाओं को रोकना, व्यावसायिक रोगों से बचाव करना, कर्मचारियों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना तथा एक सुरक्षित, सुंदर व अच्छी कार्य संस्कृति विकसित करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि व्यावसायिक रोग वे रोग या बीमारियाँ हैं, जो किसी व्यक्ति को उसके काम, कार्यस्थल या पेशे की परिस्थितियों के कारण हो जाती हैं। अर्थात नौकरी या व्यवसाय से जुड़े वातावरण, रसायनों, धूल, शोर, तनाव, मशीनों या संक्रमण के कारण होने वाले रोग व्यावसायिक रोग कहलाते हैं।

आज बहुत से लोग ऐसे कल-कारखानों में काम करते हैं, जहां उन्हें अनेक प्रकार की बीमारियां घेर लेती हैं। उदाहरण के तौर पर पटाखों के कारखानों में जलने की दुर्घटनाएं, बारूद की गंध, धुएँ से आंखों व त्वचा के गंभीर और खतरनाक रोग तथा विस्फोट से चोट लगने की घटनाएं होती हैं। बीड़ी बनाने के उद्योगों में खांसी, अस्थमा, फेफड़ों की बीमारी, त्वचा एलर्जी तथा निकोटीन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होती हैं। रसायनों के कारखानों में सांस, त्वचा, आंखों, लीवर और फेफड़ों के रोगों का खतरा बना रहता है। इन उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को व्यावसायिक रोगों का अधिक खतरा इसलिए रहता है, क्योंकि वहां धूल, धुआँ, जहरीले पदार्थ, आग, विस्फोट, तेज गंध और लगातार संपर्क जैसी परिस्थितियाँ होती हैं। बहरहाल, यदि यहां सरल शब्दों में कहा जाए तो धूल भरे कारखानों में काम करने वालों को फेफड़ों की बीमारियाँ, जैसे अस्थमा और सिलिकोसिस, हो सकती हैं। रसायनों के संपर्क से त्वचा रोग उत्पन्न हो सकते हैं, विशेषकर फैक्ट्री, लैब या सफाई कार्य में लगे कर्मचारियों को। बहुत तेज़ शोर में काम करने से सुनने की समस्या उत्पन्न हो सकती है, विशेषकर मशीनरी उद्योगों में। कार्यालय कर्मियों में लंबे समय तक कंप्यूटर पर बैठने से गर्दन व कमर दर्द की समस्या होती है। अत्यधिक तनाव से मानसिक समस्याएँ, जैसे चिंता और अवसाद, बढ़ सकती हैं। अस्पताल कर्मियों में संक्रमण का खतरा बना रहता है, जैसे हेपेटाइटिस बी तथा कोविड। ऐसे उद्योगों और कार्यस्थलों पर काम करने वालों के लिए मास्क, दस्ताने, वेंटिलेशन, प्रशिक्षण, नियमित स्वास्थ्य जांच तथा सुरक्षा कानूनों का पालन अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से यह दिवस हर वर्ष मनाया जाता है।हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कार्यस्थलों पर हाल के वर्षों में हुई कुछ बड़ी दुर्घटनाएं हुई हैं। मसलन, इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में छत्तीसगढ़ के सक्ती स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 25 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। इसी वर्ष तमिलनाडु के विरुधुनगर में पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट हुआ, जिसमें 25 से अधिक लोगों की जान गई। इतना ही नहीं, केरल के त्रिशूर में भी एक अन्य पटाखा इकाई में विस्फोट से लगभग 13 श्रमिकों की मृत्यु हुई और कई घायल हुए। अभी कुछ समय पहले इसी साल फरवरी 2026 में आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के पटाखा कारखाने में बड़ा धमाका हुआ, जिसमें करीब 21 लोगों की मृत्यु हुई। इतना ही नहीं, मार्च 2026 में महाराष्ट्र के नागपुर स्थित एक औद्योगिक इकाई में विस्फोट हुआ, जिसमें लगभग 26 श्रमिकों की जान गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इसी साल यानी कि वर्ष 2026 में अमेरिका के वेस्ट वर्जीनिया स्थित एक रासायनिक संयंत्र में गैस रिसाव की घटना में 2 लोगों की मृत्यु और कई लोग प्रभावित हुए। इसी अवधि में दक्षिण कोरिया के देजॉन की एक फैक्ट्री में आग लगने से 14 लोगों की मृत्यु और दर्जनों घायल हुए। वास्तव में, इन सभी उक्त घटनाओं से यह बिल्कुल स्पष्ट है कि औद्योगिक सुरक्षा नियमों की अनदेखी, प्रशिक्षण की कमी और आपातकालीन व्यवस्था का अभाव कार्यस्थल दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बनता है।

हाल फिलहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि यह दिवस केवल कारखानों तक सीमित नहीं है, बल्कि कार्यालयों, स्कूलों, अस्पतालों, निर्माण स्थलों, खेतों, दुकानों और ऑनलाइन कार्यस्थलों पर भी समान रूप से लागू होता है। हमें यह बात अपने मन में रखनी चाहिए कि यदि हमारे देश के कार्यस्थल सुरक्षित होंगे तो कर्मचारी सुरक्षित व स्वस्थ रहेंगे, और यदि किसी देश के कर्मचारी स्वस्थ व सुरक्षित होंगे तो वह देश खुशहाली और उन्नयन की ओर अग्रसर होगा। शायद यही कारण है कि इस दिवस का नारा माना जाता है-सुरक्षित कार्यस्थल, स्वस्थ कर्मचारी, समृद्ध राष्ट्र। सच तो यह है कि इस दिवस का सीधा संदेश यही है कि कार्यस्थल पर काम बहुत जरूरी है, लेकिन मनुष्य जीवन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। पेशेवर जोखिमों से कर्मचारियों को बचाना ही इस दिवस का मुख्य उद्देश्य है। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि इसका प्राथमिक उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य की संस्कृति को बढ़ावा देना है, ताकि काम से संबंधित मौतों और चोटों की संख्या कम की जा सके।

यदि इस दिवस के इतिहास की बात करें तो अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने वर्ष 2003 में इसे मनाना शुरू किया था। इसका मकसद सुरक्षित काम को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में लाना था। उल्लेखनीय है कि 28 अप्रैल को वर्ष 1996 से ही ट्रेड यूनियन आंदोलन द्वारा मृत और घायल श्रमिकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्मृति दिवस के रूप में भी मनाया जाता रहा है। वास्तव में, यह दिवस मृतकों के लिए शोक मनाता है और जीवितों के लिए लड़ता है और यही इसका मूल व अहम् संदेश भी है।

इस दिवस की थीम/विषय की बात करें तो पिछले वर्ष अर्थात 2025 की आधिकारिक थीम थी-एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण : श्रम पर एक मौलिक सिद्धांत और अधिकार। इस थीम के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षित वातावरण में काम करना केवल सुविधा नहीं, बल्कि हर श्रमिक का बुनियादी अधिकार है। वहीं, इस वर्ष अर्थात 2026 की थीम जलवायु परिवर्तन और कार्य सुरक्षा पर केंद्रित है-जलवायु परिवर्तन के प्रभाव में सुरक्षित और स्वस्थ कार्य वातावरण सुनिश्चित करना। सरल शब्दों में कहें तो इस वर्ष की थीम जलवायु परिवर्तन के कारण उत्पन्न नए खतरों, जैसे अत्यधिक गर्मी और वायु प्रदूषण, पर केंद्रित है।अब आंकड़ों पर आते हैं। यदि हम यहां पर आंकड़ों की बात करें तो, हाल ही में अप्रैल 2026 में आई अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर वर्ष 8.4 लाख से अधिक मौतें केवल खराब कार्य संस्कृति, लंबे कामकाजी घंटों और कार्यस्थल पर उत्पीड़न के कारण हो रही हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि कार्यस्थल पर होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मौतें दुर्घटनाओं से नहीं, बल्कि काम से संबंधित बीमारियों, जैसे कैंसर और हृदय रोग, के कारण होती हैं। खराब सुरक्षा उपायों के कारण दुनिया को अपनी कुल जीडीपी(सकल घरेलू उत्पाद) का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा हर वर्ष गंवाना पड़ता है। खराब स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के कारण हर साल खरबों डॉलर का नुकसान होता है, जो कई छोटे देशों की पूरी अर्थव्यवस्था से भी बड़ा है। इसका अर्थ है कि इससे किसी भी देश की अर्थव्यवस्था पर अत्यंत बुरा और व्यापक प्रभाव पड़ता है।

यह भी उल्लेखनीय है कि हाल के वर्षों में बर्नआउट और तनाव को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल किया गया है, जो पहले केवल शारीरिक चोटों तक सीमित था। अर्थात आज मानसिक स्वास्थ्य को भी पेशेवर स्वास्थ्य जोखिमों की श्रेणी में शामिल कर लिया गया है। आज एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और संचार क्रांति का युग है। अच्छी बात यह है कि रोबोट और एआई अब खतरनाक कार्यों, जैसे गहरी खदानों या जहरीली गैसों के बीच, इंसानों की जगह ले रहे हैं, जिससे मौतें कम हुई हैं। किन्तु इसका नकारात्मक पक्ष भी है। एआई की वजह से बढ़ती जॉब इनसिक्योरिटी अर्थात नौकरी जाने का डर श्रमिकों में नए प्रकार का मानसिक तनाव पैदा कर रही है।

इतना ही नहीं, आज के समय में ग्लोबल वार्मिंग एक बड़ी समस्या बनकर कर्मियों के सामने आ रही है। सरल शब्दों में कहें तो हीटवेव (अत्यधिक गर्मी) अब एक व्यावसायिक खतरा बन चुका है। बाहरी क्षेत्रों, जैसे खेती और निर्माण कार्य, में लगे श्रमिकों के लिए अब छाया और पानी को कानूनी सुरक्षा मानकों में अनिवार्य रूप से शामिल करने की मांग बढ़ रही है। निष्कर्ष के रूप में वर्ष 2026 का यह दिवस हमें बताता है कि अब सुरक्षा का दायरा कारखाने की दीवारों से निकलकर कर्मचारी के मानसिक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चुनौतियों तक फैल चुका है।

अंत में, निष्कर्ष के तौर पर यहां यही कहा जा सकता है कि विश्व कार्यस्थल सुरक्षा एवं स्वास्थ्य दिवस हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षित कार्यस्थल केवल नियमों से नहीं, बल्कि जन-जागरूकता, पूर्ण जिम्मेदारी और संवेदनशीलता से बनता है। आज के मशीनी व आधुनिक युग में प्रत्येक कर्मचारी को सुरक्षित वातावरण, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियाँ मिलनी चाहिए। दुर्घटनाओं तथा व्यावसायिक रोगों की रोकथाम के लिए नियोक्ता, कर्मचारी और सरकार-तीनों की साझा भूमिका है। हमें यह याद रखना चाहिए कि स्वस्थ श्रमिक ही सशक्त समाज और समृद्ध राष्ट्र की नींव होते हैं।

(-सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड।)

भारतीय राजनीति के ये जय चंद और मीर जाफ़र

सिद्धांत व विचारविहीन राजनीति करते हुये अपनी सुविधा, लाभ व राजनैतिक भविष्य के मद्देनज़र दल बदल करना हमारे देश में एक हक़ीक़त बन चुकी है। सच पूछिए तो वर्तमान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की पूरी सत्ता इस समय दल बदलुओं के भरोसे ही चल रही है। इस समय केंद्रीय मंत्री, मुख्य मंत्री, सांसद विधायक जैसे तमाम पदों पर कल के कांग्रेसी आज के भाजपाई बने देखे जा सकते हैं। इनमें कई तो लंबे समय तक विपक्ष की भूमिका में न रह पाने और संघर्ष व विपक्ष की राजनीति में सक्षम न हो पाने के कारण किसी न किसी बहाने से भाजपा में शामिल हुये। तो कई भ्रष्ट लोग जेल जाने या क़ानूनी कार्रवाई से बचने के लिये राजनैतिक धर्म परिवर्तन करने को मजबूर हुये।

तनवीर जाफ़री

कुछ नेता डर,लालच या भयवश इधर से उधर करने को बाध्य हुये तो दल बदल के लिये उतावले कई नेता पार्टी में अपनी उपेक्षा का बहाना बनाकर चलते बने। यह और बात है कि ऐसे अनेक लोग दल बदल कर जहाँ गए वहां भी वे देखते देखते लापता हो गये।

पिछले दिनों आम आदमी पार्टी को भी उस समय एक बार फिर ज़बरदस्त झटका लगा जबकि उसके राज्य सभा के दस में से सात सांसदों ने दल बदल कर भाजपा में शरण ले ली। ये सभी सात सांसद पंजाब राज्य से निर्वाचित होकर आये थे। ग़ौरतलब है कि इस समय आम आदमी पार्टी केवल पंजाब में ही सत्ता में है। और इसी राज्य के 7 राज्य सभा सांसदों के पार्टी बदलने के बाद अब कई विधायकों के भी दल बदल की संभावना जताई जा रही है। इस दल बदल के मुख्य सूत्रधार के रूप में राघव चड्ढा को देखा जा रहा है। राघव चड्ढा वही हैं जो कई बार यह कह चुके हैं कि भाजपा अनपढ़ व गुंडों की पार्टी है। यह गुंडों को संरक्षण देने वाली पार्टी है। राघव चड्ढा पिछले दिनों राज्यसभा में उठाये गये कई जनहितकारी मुद्दों को लेकर जनता में काफ़ी लोकप्रिय हो गये थे। उन्होंने संसद में गिग वर्कर्स की सुरक्षा, एयरपोर्ट पर आम लोगों को मिलने वाला महंगा खाना, ग़रीब आदमी का मिनिमम बैलेंस कम होने पर उसपर लगने वाली बैंक पैनल्टी, पैटरनिटी लीव, स्वास्थ्य सेवा, इनकम टैक्स जैसे अनेक मुद्दे उठाये थे। तथा इन मुद्दों पर सरकार से एक्शन लेने की मांग भी की थी। इन दलबदल करने वालों में एक राज्यसभा सांसद का नामअशोक मित्तल है। ये उस लवली ग्रुप के मालिक हैं जिसका वार्षिक टर्नओवर ?850 करोड़ का बताया जा रहा है। मित्तल, लवली प्रोफ़ेशनल यूनिवर्सिटी, लवली ऑटोज़, लवली स्वीट्स जैसे संस्थानों के स्वामी हैं। अभी कुछ दिन पहले ही मित्तल के लगभग सभी ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) की छापेमारी भी हुई थी। और आख़िरकार इन्होंने भी भाजपा की शरण में जाकर अपने व्यवसायिक साम्राज्य की रक्षा करने में ही अपनी भलाई समझी।

बहरहाल जितने भी चेहरे आम आदमी पार्टी छोड़ भाजपा में गये हैं उनमें से किसी का भी कोई पूर्व राजनैतिक अनुभव नहीं है। हरभजन सिंह क्रिकेटर को छोड़ जिसने भी अपनी पहचान बनाई है वह केजरीवाल व आप पार्टी के साथ काम कर ही बनाई है। हालांकि केजरीवाल व आप का साथ छोड़कर जाने वाले नेताओं की फेहरिस्त भी बहुत लंबी है। यह भी सच है कि केजरीवाल के आचरण व स्वभाव में ज़रूर कुछ न कुछ कमी है जिसके चलते प्रशांत भूषण व योगेंद्र यादव जैसे अनेक बुद्धिजीवी व सुलझे हुये लोग भी केजरीवाल को छोड़कर चले गये। परन्तु इस ताज़ातरीन दलबदल के बाद जनता की राय बिल्कुल विपरीत है। जनता इस बार के दलबदलुओं की तुलना इतिहास के ग़द्दार जय चंद व मीर जाफ़र से कर रही है। यह सरासर पंजाब के उनलोगों से धोखा व ग़द्दारी है जिन्होंने इन दलबदलुओं को मान सम्मान देकर राज्य सभा में भेजा। ऐसा माना जा रहा है कि पहले भी विभिन्न राज्यों में राजनैतिक तोड़फोड़ कर सत्ता परिवर्तन करने वाली भाजपा पंजाब में भी निर्वाचित सरकार को गिराने या अस्थिर करने के लिये आम आदमी पार्टी के विधायकों के साथ भी यही घिनौना खेल, खेल सकती है।

परन्तु भाजपा व इनके पाले में गये अवसरवादी दलबदलुओं को इसबार यह खेल मंहगा पड़ सकता है। क्योंकि इस दल बदल से आम जनता में भारी रोष है। कई किसान नेता भी खुलकर इन अवसरवादियों के विरुद्ध मैदान में आ गए हैं। जिससे ऐसा लगता है कि इन लोगों का भविष्य में जनता के बीच जाना आसान नहीं होगा। इस बात की भी उम्मीद की जा रही है कि भाजपा ने अगले वर्ष राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों के पहले जिन उम्मीदों से ऑपरेशन लोटस चलाया था उन उम्मीदों पर भी पानी फिरने वाला है। यह भी क़यास लगाये जा रहे हैं कि यदि इस राजनैतिक घटनाक्रम से आम आदमी पार्टी को नुक़सान हुआ भी तो भी भाजपा को कोई फ़ायदा नहीं मिलने वाला। बजाये इसके कांग्रेस ज़रूर राज्य में अपनी स्थिति मज़बूत कर सकती है। उधर क़ानूनी जानकारों का भी कहना है कि यह सातों सांसद भले ही दो तिहाई सदस्यों के पार्टी छोड़ने को दल बदल क़ानून के दायरे से बाहर बता रहे हों परन्तु वास्तव में ऐसा नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि सांसदों से पहले यदि आम आदमी पार्टी के सदस्यों द्वारा बाक़ायदा दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर पार्टी छोड़ने की घोषणा की गयी होती उसके बाद ही सांसदों का दो तिहाई दल बदल क़ानूनी रुप से सही माना जाता। परन्तु चूँकि पार्टी की तरफ़ से ऐसा कुछ भी नहीं है इसलिये इन सभी का दलबदल पूरी तरह ग़ैरक़ानूनी है। लिहाज़ा यदि राज्य सभा के सभापति से लेकर अदालत तक ने समय रहते ईमानदारी से फ़ैसला किया तो इन सभी दलबदलुओं की राज्य सभा सदस्यता जा सकती है।

बहरहाल यह महाराष्ट्र नहीं जहाँ भाजपा ने शिवसेना में विभाजन कराकर सत्ता हथियाने का चक्रव्यूह रचा था। बल्कि यह वह पंजाब है जिसने किसान आंदोलन में इसी सरकार को नाकों चने चबाने और विवादित कृषि क़ानून वापस लेने पर मजबूर कर दिया था। पंजाब में ही कांग्रेस व अकाली दल छोड़कर अपने उज्जवल राजनैतिक कैरियर की तलाश में भाजपा में शामिल अनेक प्रमुख नेताओं का आज कोई अता पता ही नहीं है। भारतीय राजनीति के इन जय चंदों और और मीर जाफ़रों को भी न तो पंजाब की जनता बख़्शने वाली है न ही भाजपा में इन्हें वह मान सम्मान व अवसर मिलने वाला है जो इन्हें आम आदमी पार्टी में हासिल था। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ज्ञान भारतम् अभियान

एमसीबी जिले में पांडुलिपि सर्वे शुरू,1850 की दुर्लभ हस्तलिखित ग्रंथों का डिजिटलीकरण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। ज्ञान भारतम् अभियान के अंतर्गत राज्य शासन के निर्देशानुसार मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले में प्राचीन पांडुलिपियों (हस्तलिखित ग्रंथों) के संरक्षण और दस्तावेजीकरण हेतु व्यापक सर्वे अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य जिले में उपलब्ध ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों की पहचान कर उनका संरक्षण एवं डिजिटलीकरण सुनिश्चित करना है। जिला कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के मार्गदर्शन में इस अभियान के सफल संचालन के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया गया है। अभियान के तहत तीन मास्टर ट्रेनर और 137 सर्वेक्षकों की नियुक्ति की गई है जिन्हें जिले की सभी ग्राम पंचायतों में जाकर पांडुलिपियों की खोज एवं सर्वेक्षण का दायित्व सौंपा गया है। कलेक्टर द्वारा सभी सर्वेक्षकों की ऑनलाइन बैठक आयोजित कर उन्हें अभियान की विस्तृत जानकारी दी गई तथा सर्वे कार्य को गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया कि सर्वेक्षण के दौरान ऐसी पांडुलिपियों की पहचान की जाएगी जो कम से कम 60 से 70 वर्ष या उससे अधिक पुरानी हों। विशेष रूप

से पुस्तकालयों, मंदिरों, मठों एवं निजी संग्रहकर्ताओं के पास ऐसी दुर्लभ पांडुलिपियां मिलने की संभावना अधिक है जिनका ऐतिहासिक महत्व अत्यंत मूल्यवान है। अभियान के अंतर्गत चिरमिरी निवासी प्रदीप कुमार बेहरा जो पेशे से व्याख्याता हैं के निवास पर एक उल्लेखनीय उपलब्धि सामने आई। यहां लगभग सन 1850 की उड़िया भाषा में लिखी गई करीब छह दुर्लभ पांडुलिपियों का पता चला जिन्हें टीम द्वारा डिजिटलीकरण कर संरक्षित किया गया। इस कार्य में ज्ञान भारतम् अभियान के जिला नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पांडेय चिरमिरी नगर निगम के महापौर रामनरेश राय एवं रितेश श्रीवास्तव की उपस्थिति रही। इस दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदीप कुमार बेहरा द्वारा वर्षों से इन पांडुलिपियों को सुरक्षित रखने के प्रयासों की सराहना की। महापौर रामनरेश राय ने इसे सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम बताते हुए आमजन से अपील की कि वे अपने पास उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों की जानकारी प्रशासन को दें ताकि उनका संरक्षण किया जा सके।

विश्व मलेरिया दिवस पर मनेन्द्रगढ़ में जागरूकता रैली एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर जिला में स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शहर में जनजागरूकता रैली निकालकर मलेरिया उन्मूलन का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय सिविल अस्पताल परिसर मनेंद्रगढ़ से हुई जहां हॉस्पिटल अधीक्षक डॉ. स्वप्निल तिवारी एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एस. एस. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली में शामिल छात्र-छात्राएं हाथों में जागरूकता संदेश लिखी तख्तियां लिए हुए थे और जन-जन ने ये ठाना है मलेरिया को जड़ से मिटाना है जैसे नारों के साथ शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए आम नागरिकों को जागरूक करते रहे। रैली के दौरान विभिन्न स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया, जिसमें मलेरिया के कारण, लक्षण, रोकथाम और उपचार के विषय में सरल भाषा में जानकारी दी गई। छात्र-छात्राओं ने अपने अभिनय के माध्यम से यह संदेश दिया कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें नियमित रूप से सफाई रखें मच्छरदानी का उपयोग करें तथा बुखार आने पर तुरंत जांच कराएं। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अविनाश खरे ने बताया कि मलेरिया एक गंभीर लेकिन पूर्णतः रोके जाने योग्य बीमारी है यदि समय पर सावधानी बरती जाए एवं मलेरिया नियंत्रण हेतु निरंतर सर्वे जांच एवं दवा वितरण जैसी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि किसी भी प्रकार के बुखार को नजर अंदाज न करें और नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच अवश्य कराएं। जिला मलेरिया अधिकारी डा. नम्रता चक्रवर्ती ने भी लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि सामुदायिक भागीदारी के बिना मलेरिया उन्मूलन संभव नहीं है। कार्यवाहक जिला मलेरिया सलाहकार राय सिंह श्याम ने बताया कि मलेरिया के रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग, लार्वा नियंत्रण एवं जागरूकता कार्यक्रम लगातार चलाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में जिला क्षय अधिकारी डॉ वासिक असदक, डॉ अतीक सोनी (आरबीएसके नोडल अधिकारी), मो. सुलेमान खान (विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक) , जिला मलेरिया सलाहकार राय सिंह, विनीता रजवाड़े, ज्योति गुप्ता एवं युवा अंजुम सहित स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

गोवंश संरक्षण के लिए निकली रैली,माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस कस्बे में सोमवार को गोवंश संरक्षण की मांग को लेकर एक रैली निकाली गई। इस दौरान राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। यह रैली धर्मशाला स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुई जिसमें बड़ी संख्या में गोभक्त, संत समाज और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। रैली एप्रोच रोड एबी रोड और जगतपुर मार्ग से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंची। रैली में शामिल प्रतिभागियों ने गोवंश संरक्षण, संवर्धन और इसके लिए सख्त कानून बनाने की मांग को लेकर नारे लगाए। तहसील कार्यालय में तहसीलदार प्रदीप भार्गव को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करने देशी गोवंश की सुरक्षा गो-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, गोवध पर पूर्ण प्रतिबंध के लिए कठोर कानून बनाने और केंद्र स्तर पर गोसेवा मंत्रालय की स्थापना जैसी प्रमुख मांगें शामिल थीं। गोभक्तों ने कहा कि गोवंश भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है लेकिन वर्तमान में उनकी स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने सरकार से इस दिशा में शीघ्र ठोस कदम उठाने की अपील की।

40 मीटर ऊंचे टावर पर चढ़ा प्रेमी जोड़ा :शादी कराने की मांग को लेकर 3 घंटे तक किया हंगामा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के तेंदुआ थाना क्षेत्र में सोमवार को एक प्रेमी जोड़े ने शादी की मांग को लेकर मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा कर दिया। जानकारी के अनुसार गणेशखेड़ा गांव निवासी मोहर सिंह आदिवासी और ललिता आदिवासी एक-दूसरे से प्रेम करते हैं और शादी करना चाहते थे लेकिन परिवार की नाराजगी के चलते उनकी बात नहीं बन पा रही थी। इसी से नाराज होकर दोनों ने यह कदम उठाया भीषण गर्मी में दोपहर के समय जहां तापमान करीब 42 डिग्री रहा इसी बीच कपल को करीब 40 मीटर ऊंचे टॉवर पर देख लोगों में सनसनी फैल गई सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे दोनों अचानक जिओ कंपनी के मोबाइल टावर पर चढ़ गए और नीचे खड़े लोगों के सामने शादी करवाने की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को समझाया। करीब तीन घंटे तक स्थिति बनी रही। करीब साढ़े तीन बजे पुलिस ने दोनों को शादी कराने का आश्वासन दिया जिसके बाद वे नीचे उतरने को तैयार हुए। नीचे उतरने के बाद पुलिस दोनों को तेंदुआ थाने ले गई जहां आगे की कार्रवाई की जा रही है।

विश्व मलेरिया दिवस पर विशेष अभियान : 480 से अधिक गर्भवती महिलाओं की हुई जांच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व मलेरिया दिवस (25 अप्रैल) के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर 480 से अधिक गर्भवती महिलाओं की मलेरिया जांच की गई। यह अभियान प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के निर्देशन में संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और मलेरिया जैसी गंभीर बीमारी से समय रहते बचाव सुनिश्चित करना था। जिले के सभी स्वास्थ्य संस्थानों-जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उप-स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाली गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य जांच की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रणनीति बनाकर यह सुनिश्चित किया गया कि कोई भी महिला जांच से वंचित न रहे विशेषकर वे महिलाएं जो पहले किसी कारणवश जांच नहीं करा सकी थीं। विकासखंडवार आंकड़ों के अनुसार खड़गवां में 101, भरतपुर में 118 तथा मनेन्द्रगढ़ में 266 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। उल्लेखनीय है कि सभी जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त हुई हैं जो जिले में मलेरिया नियंत्रण की मजबूत स्थिति को दर्शाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार गर्भावस्था के दौरान मलेरिया संक्रमण मां और शिशु दोनों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकता है। समय पर जांच और उपचार से इन जोखिमों से बचाव संभव है। इसी उद्देश्य से पीएमएसएमए दिवस पर 100 प्रतिशत जांच का लक्ष्य निर्धारित कर सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों ने गर्भवती महिलाओं को मलेरिया से बचाव के उपायों के बारे में जागरूक भी किया। उन्हें मच्छरदानी के नियमित उपयोग, स्वच्छता बनाए रखने, पानी का ठहराव रोकने तथा बुखार जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल जांच कराने की सलाह दी गई। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे मलेरिया उन्मूलन में सहयोग करें और स्वच्छ वातावरण बनाए रखें। किसी भी प्रकार के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

भीषण गर्मी में राहत की पहल : भरतपुर के गांवों में बंद हैंडपंप हुए दुरुस्त,पेयजल संकट में कमी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और गहराते जल संकट के बीच प्रशासन ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था सुधारने के लिए त्वरित कदम उठाए हैं। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भरतपुर विकासखंड के कई गांवों में लंबे समय से बंद पड़े हैंडपंपों को दुरुस्त कर पुनः चालू किया गया है जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विभागीय टीम ने हाल ही में ग्राम पंचायत घाघरा, बेला और लरकोडा का दौरा किया। इन क्षेत्रों में कई

हैंडपंप लंबे समय से खराब स्थिति में थे जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ती थी। विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर हैंडपंपों का निरीक्षण किया और तत्काल मरम्मत कार्य करते हुए उन्हें फिर से चालू कर दिया। इस त्वरित कार्रवाई से गांवों में पेयजल की उपलब्धता में सुधार आया है। भीषण गर्मी के मद्देनजर प्रशासन ने पेयजल आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखा है। अधिकारियों ने निर्देश दिए हैं कि जहां भी हैंडपंप खराब हैं, उन्हें तत्काल सुधारकर चालू किया जाए ताकि ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना न पड़े। PHE विभाग की सक्रियता और तत्परता के चलते अब ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल के लिए दूर-दूर तक भटकने की आवश्यकता नहीं रही। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए इसे राहत देने वाला कदम बताया है। उनका कहना है कि गर्मी के इस कठिन समय में हैंडपंपों के दुरुस्त होने से दैनिक जीवन में काफी सुविधा हुई है। वहीं प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जिले के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी इसी तरह से हैंडपंप सुधार कार्य लगातार जारी है। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस भीषण गर्मी के दौरान जिले के किसी भी गांव में पेयजल संकट उत्पन्न न हो। इसके लिए विभाग द्वारा निरंतर निगरानी रखी जा रही है और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने आमजन से भी अपील की है कि वे जल संरक्षण के उपाय अपनाएं और पानी का सदुपयोग करें ताकि सभी को पर्याप्त मात्रा में पेयजल उपलब्ध हो सके।

सीएम राइज स्कूल का उद्घाटन

ज्योतिरादित्य सिंधिया बोले- विकास के लिए न रुकूंगा, न झुकूंगा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शिवपुरी में मेडिकल कॉलेज के पास सांदीपनी सीएम राइज स्कूल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने शिवपुरी के विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि ना रुकूंगा और न झुकूंगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिंधिया ने बताया कि उनके पूर्वज माधव महाराज ने शिवपुरी को भगवान शिव के नाम पर ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में स्थापित किया था उन्होंने जोर दिया कि वे अब इस जिले के विकास के लिए पूरी तरह समर्पित हैं। सीएम राइज स्कूल के उद्घाटन के दौरान, सिंधिया ने शिक्षकों को घराती और बच्चों को बराती बताते हुए इस आशाओं का संगम करार दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने देश-विदेश के कई शिक्षण संस्थानों में शिक्षा प्राप्त की है लेकिन यह स्कूल भी अंतरराष्ट्रीय मानकों से कम नहीं है उन्होंने इच्छा व्यक्त की कि काश वे आज 8 साल के बच्चे होते तो उन्हें यहां पढ़ने का अवसर मिलता इस अवसर पर सिंधिया ने शहर के वार्ड 1 से 39 तक लगभग 40 करोड़ रुपये की सड़क परियोजनाओं का भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 5 करोड़ रुपये के वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट 1 करोड़ रुपये के बस स्टैंड विकास कार्य और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 2.75 करोड़ रुपये के आवासों की सौगात भी दी। सिंधिया ने शिवपुरी शहर के सौंदर्यीकरण के लिए 50 करोड़ रुपये लाने की भी घोषणा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राशि सरकारी बजट से नहीं बल्कि एक निजी कंपनी के माध्यम से जुटाई जाएगी जिसका उद्देश्य शहर को और अधिक आकर्षक बनाना है। स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए सिंधिया ने बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने बताया कि शिवपुरी मेडिकल कॉलेज की बिस्तर क्षमता 400 से बढ़ाकर 600 की जाएगी और जिला अस्पताल को भी 600 बिस्तरों वाला बनाया जाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पहले 408 पदों में से 133 पद रिक्त थे। पिछले एक साल में 72 पद भरे गए हैं जिनमें कई विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं अब केवल 60 पद खाली हैं जिन्हें शीघ्र ही भरने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान एक दिलचस्प स्थिति भी देखने को मिली जब मंच पर लगे बैनर में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा का फोटो नहीं था हालांकि केंद्रीय मंत्री के मंच पर पहुंचने से पहले ही इस गलती को सुधारते हुए उनका फोटो बैनर पर चिपका दिया गया।

8वीं तक के स्कूलों में छुट्टी :भीषण गर्मी के चलते 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। पड़ रही भीषण गर्मी और लू को देखते हुए प्रशासन ने स्कूली बच्चों को बड़ी राहत दी है। कलेक्टर के निर्देश पर जिला शिक्षा अधिकारी (DEO) ने प्री-प्राइमरी से लेकर कक्षा 8वीं तक के सभी शासकीय और निजी स्कूलों में 30 अप्रैल 2026 तक अवकाश घोषित कर दिया है। छात्रों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया यह आदेश आज 27 अप्रैल से लागू हो गया है। प्रशासन ने बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को भी गर्मी से बचाने के लिए स्कूल के समय में बदलाव किया है कक्षा 9वीं से लेकर 12वीं तक की कक्षाएं अब सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक ही संचालित की जाएंगी। सभी बोर्ड के स्कूलों पर लागू होगा आदेश जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, अवकाश और समय में बदलाव का यह नियम जिले के सभी स्कूलों पर अनिवार्य रूप से लागू होगा। इनमें एमपी बोर्ड, सीबीएसई (CBSE), आईसीएसई, केंद्रीय विद्यालय सहित शासन से मान्यता प्राप्त सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल शामिल हैं। शिक्षकों को आना होगा परीक्षाएं तय समय पर होंगी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि स्कूलों में केवल बच्चों के लिए अवकाश घोषित किया गया है जबकि शिक्षकों को पूर्ववत अपने दायित्व निभाने होंगे। इसके अलावा पहले से निर्धारित परीक्षाएं और अन्य आवश्यक शैक्षणिक गतिविधियां अपनी तय समय-सारणी के अनुसार ही संचालित की जाएंगी। उनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

बस ऑपरेटर पर फायरिंग, सरपंच पति सहित 15 पर केस ;पूर्व मंत्री के भतीजे संग किया हमला

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। हथियारों से लैस बदमाशों ने एक बस संचालक के घर पर हमला कर दियावारदात कोतवाली क्षेत्र के सिंहनिवास गांव में रात करीब 10:30 बजे हुई। बदमाशों ने 'टेरर टैक्स' और पुरानी रंजिश के चलते इस घटना को अंजाम दिया सरपंच पति और पूर्व मंत्री के भतीजे समेत अन्य आरोपियों ने घर में घुसकर ताबड़तोड़ फायरिंग की। हमले में बस संचालक जय सिंह बाल-बाल बच गए। गोली उनके बाएं हाथ को छूकर निकल गई पुलिस ने 12 नामजद और 3 अज्ञात लोगों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। सरपंच पति का नाम प्रभात रावत और पूर्व मंत्री के भतीजे का नाम रोहित धाकड़ है कुछ आरोपियों को हिरासत में भी ले लिया गया है। फरियादी जय सिंह ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले प्रभात, प्रमोद और प्रगट रावत से 2017 से विवाद चल रहा है रात तीनों भाई अपने साथियों के साथ 315 बोर की बंदूक, पिस्टल, देशी कट्टा, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड लेकर जबरन घर में घुस आए। प्रमोद ने 315 बोर की बंदूक से फायर किया जो हाथ को छूकर निकला। वहीं प्रभात ने पिस्टल से दो फायर किए। इसके बाद आरोपियों ने घर में मौजूद दीवान सिंह, मजबूत सिंह और अरविंद के साथ लाठियों से मारपीट कर दरवाजे तोड़ दिए डायल 112 का सायरन बजते ही हमलावर भाग निकले टेरर टैक्स के लिए बनाई गैंग 2017 में भी किया था हमला ।

टीचर को कार ने मारी टक्कर, गंभीर घायल

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। बीना-खिमलासा रोड पर सरस्वती शिशु मंदिर के पास एक कार की टक्कर से स्कूटी सवार शिक्षिका गंभीर रूप से घायल हो गई। यह घटना शिक्षिका के स्कूल जाते समय हुई। उन्हें गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया गया है। हादसा सोमवार सुबह की है।

खिमलासा के सरकारी स्कूल में पदस्थ हैं घायल: घायल शिक्षिका की पहचान पूजा अहिरवार (29) के रूप में हुई है, जो भोपाल की निवासी हैं और बीना की जागेश्वरी कॉलोनी में किराए पर रहती हैं। वह खिमलासा के सरकारी स्कूल में पदस्थ हैं।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर: सोमवार को पूजा अपनी स्कूटी से बीना से खिमलासा स्थित स्कूल जा रही थीं। बीना के सरस्वती शिशु मंदिर के पास खिमलासा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने एक अन्य वाहन को ओवरटेक करते समय उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

गंभीर हालत में भोपला रेफर: टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। इस घटना में शिक्षिका की स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गई। पूजा को पहले सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें भोपाल रेफर कर दिया गया।

छतरपुर में धमाके के साथ डीपी में लगी आग : विस्फोट से चिंगारियां दूर तक फैलीं, बड़ी कुंजरेहटी में हादसा

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर के बड़ी कुंजरेहटी इलाके में रविवार देर शाम एक इलेक्ट्रिक डीपी (ट्रांसफार्मर) में भीषण आग लग गई। आग लगने के साथ हुए जोरदार विस्फोट से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते डीपी धधकने लगी और चिंगारियां दूर तक फैलने लगीं।घटना के बाद आसपास मौजूद लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। बिजली के खंभे पर लगी डीपी में आग होने के कारण करंट फैलने और बड़े हादसे के डर से किसी ने भी पास जाकर आग बुझाने का प्रयास नहीं किया। स्थानीय नागरिकों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि लंबे समय से ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों का उचित रखरखाव नहीं किया जा रहा है, जिसके कारण ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं।निवासियों के अनुसार, कई स्थानों पर पुराने और जर्जर ट्रांसफार्मर लगे हैं, जो बढ़ते लोड को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ने से ओवरलोड की समस्या बढ़ जाती है, जिससे ट्रांसफार्मर गर्म होकर आग पकड़ लेते हैं। इसके अतिरिक्त, पुरानी और क्षतिग्रस्त बिजली लाइनें भी शॉर्ट सर्किट और स्पार्किंग का कारण बन रही हैं।

मजदूर बनकर पहुंची बुरहानपुर पुलिस, जुआरियों पर दबिश देकर पकड़ा जामनिया रोड पर 6 आरोपी गिरफ्तार, नकदी और ताश जब्त

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले की खकनार पुलिस ने ग्राम जामनिया रोड पर जुआ खेलते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई सिविल ड्रेस में मजदूर बनकर दबिश देकर की, जिससे आरोपियों को भनक तक नहीं लगी और वे जुआ खेलते हुए पकड़े गए। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने जुआ और सट्टे पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत, देर रात पुलिस को सूचना मिली जिसके बाद टीआई अभिषेक जाधव अपनी टीम के साथ सिविल ड्रेस में मौके पर पहुंचे। मजदूर के वेश में होने के कारण आरोपी पुलिस टीम को पहचान नहीं पाए।

घेराबंदी कर 6 आरोपियों को पकड़ा: मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर जुआ खेल रहे छह आरोपियों को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विजेश (24) पिता मोजीलाल मावस्कर निवासी ग्राम रगई, वीरेंद्र (30) पिता भारत सूर्यवंशी निवासी खकनार कला, उमेश (35) पिता प्रकाश जाधव निवासी खकनार कला, गोपाल (32) पिता हरिश्चंद्र ढोले निवासी खकनार खुर्द, अतुल (40) पिता सुभाष पाटिल निवासी खकनार कला और सुनील (50) पिता भूरा महाजन निवासी खकनार कला शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से नकदी और ताश के पत्ते जब्त किए हैं।

कार बेकाबू होकर पलटी, दूल्हे के 4 भाइयों की मौत :खंडवा में टक्कर इतनी तेज कि एयरबैग फट गए

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के खंडवा में एक तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे एक मकान से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार एक साइड से पूरी पिचक गई। कार के एयरबैग खुलकर फट गए। हादसे में दूल्हे के 4 चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। रविवार को दो भाइयों में से एक को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया था, जिसकी सोमवार सुबह जान चली गई। हादसा पिपलोद के गुड़ी-लुनहार गांव के पास रविवार शाम 6 बजे हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आशंका है कि कार ड्राइवर ने अचानक हैंड ब्रेक का इस्तेमाल किया, जिससे कार पलटी खा गई और रोड़ किनारे एक मकान से टकरा गई।

रतलाम में प्रोडक्ट लाइक के नाम पर 1.24 लाख ठगे ऐप डाउनलोड कराकर फंसाया

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में ऑनलाइन प्रोडक्ट लाइक कर कमीशन कमाने का लालच देकर एक 24 वर्षीय युवती से 1.24 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने वाट्सएप पर लिंक भेजकर युवती को एक फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया और क्यूआर कोड के जरिए अलग-अलग ट्रांजेक्शन कराकर इस वारदात को अंजाम दिया।

युवती की शिकायत के बाद सायबर सेल और माणकचौक थाना पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजेक्शन के आधार पर ग्वालियर से 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में इनका एक अन्य साथी फरार है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

100 के बदले 200 रुपए देकर जीता भरोसा, फिर ऐंठे लाखों: ठगों ने वाट्सएप पर लिंक भेजकर युवती को Promotion Pioneers-1 नाम का फर्जी ऐप डाउनलोड करवाया। इसके बाद फोन-पे, गूगल-पे और पेटीएम की जानकारी लेकर उसे क्यूआर कोड भेजा। शुरुआत में 100 रुपए जमा करवाकर प्रोडक्ट लाइक करने का टास्क पूरा करने पर ठगों ने 200 रुपए लौटाए। भरोसा जीतने के बाद 200 के 300, 1000 के 1500 और 3000 के 6000 रुपए डलवाए। इसी तरह लालच देकर ठगों ने युवती से कुल 1 लाख 24 हजार 100 रुपए जमा करवा लिए। जब युवती ने और रकम जमा करने के बाद अपने पैसे वापस मांगे, तो ठगों ने लौटाने से मना कर दिया।

कमीशन का लालच देकर खुलवाया था 'म्यूल अकाउंट': पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान करण कुशवाह (22) और दीपू उर्फ दीपक कुशवाह (23) के रूप में हुई है। दोनों ग्वालियर जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि दीपू ने कमीशन का लालच देकर करण का बैंक अकाउंट (म्यूल अकाउंट) खुलवाया था, जिसमें ठगी की रकम मंगाई जाती थी। इस गैंग का तीसरा साथी रिंकेश (निवासी अमरोला चिनौल, ग्वालियर) फरार है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह की आगे की लिंक खंगाल रही है।

एसपी की अपील-अनजान लिंक और क्यूआर कोड से रहें सावधान: मामले का खुलासा करते हुए एसपी अमित कुमार ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार के ऑनलाइन टास्क, पार्ट-टाइम जॉब, प्रोडक्ट लाइक या निवेश के नाम पर मिलने वाले अनजान लिंक एवं क्यूआर कोड से सावधान रहें। किसी भी लालच में आकर धनराशि ट्रांसफर न करें। यदि साइबर ठगी हो जाए, तो तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

10 साल के बच्चे की स्मार्ट वॉच में ब्लास्ट:जुड़वां भाई भी झुलसा शादी समारोह के दौरान फटी घड़ी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम में रविवार रात 10 साल के बच्चे की कलाई पर बंधी स्मार्ट वॉच में अचानक विस्फोट हो गया। हादसे में वॉच पहनने वाले बालक का हाथ झुलस गया, जबकि पास बैठा उसका जुड़वां भाई भी इसकी चपेट में आ गया। घटना एक वैवाहिक कार्यक्रम के दौरान हुई। जानकारी के अनुसार, इटारसी रोड स्थित गार्डन में ग्राम चांदोन निवासी 10 वर्षीय जुड़वां भाई वेदांत चौधरी और सूर्यांश चौधरी शादी में शामिल होने आए थे। रात के समय दोनों भाई एक साथ बैठे हुए थे। वेदांत ने अपने हाथ में स्मार्ट वॉच पहन रखी थी, तभी अचानक उसमें धीमा विस्फोट हुआ।

वॉच फटने से हाथ जला, भाई भी झुलसा: स्मार्ट वॉच फटने से वेदांत के हाथ का हिस्सा झुलस गया। हाथ की चमड़ी छिल गई है। पास बैठे उसके भाई सूर्यांश का हाथ भी इसकी चपेट में आ गया। हादसे के बाद घबराए परिजन तुरंत बच्चों के पास पहुंचे। परिजन दोनों बच्चों को रात करीब 1:30 बजे नर्मदा अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच कर उपचार किया। चोटें सामान्य होने के कारण इलाज के बाद दोनों को रात में ही घर भेज दिया गया।

भूसे पर बाइक चढ़ाने के विरोध करने पर गोली मारी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के नौगांव थाना क्षेत्र के मातौल गांव में भूसे पर मोटरसाइकिल चढ़ाने को लेकर हुए विवाद में एक महिला को गोली लग गई। घटना में 42 वर्षीय सुमन तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, सुमन तिवारी अपने पति यशपाल तिवारी के साथ घर पर मौजूद थीं। इसी दौरान गांव के रमाकांत तिवारी, उमाकांत और पप्पू तिवारी वहां पहुंचे और घर के बाहर रखे भूसे पर मोटरसाइकिल चढ़ा दी। जब सुमन और यशपाल ने इसका विरोध किया, तो विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।

आरोप है कि रमाकांत तिवारी ने एक अवैध हथियार निकालकर पहले जान से मारने की धमकी दी और फिर सुमन तिवारी पर गोली चला दी। घटना के दौरान 2-3 राउंड गोलियां चलने की बात सामने आई है। फायरिंग के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिजन घायल महिला को तुरंत नौगांव स्वास्थ्य केंद्र ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें छतरपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में मेडिकल ऑफिसर डॉ. अभय सिंह ने उनका प्राथमिक उपचार किया। डॉक्टरों के अनुसार, सर्जिकल विशेषज्ञ की देखरेख में ऑपरेशन की तैयारी की जा रही है, जिसके बाद ही गोली की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। महिला ने खुद को गोली लगने की बात कही है।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि बयानों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस घायल महिला और उनके परिजनों के बयान दर्ज कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फायरिंग किन परिस्थितियों में हुई और अवैध हथियार कहां से आया।

झांसी रोड पुलिस की सतर्कता से टला बड़ा हादसा, 21 यात्रियों की जान बची

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता, साहस और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक बड़ी दुर्घटना को टाल दिया। ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र में पुलिस की त्वरित कार्रवाई से आग की चपेट में आई एक यात्री बस से 21 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 अप्रैल की सुबह लगभग 5:40 बजे जयपुर से छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम जा रही एक वीडियो कोच बस ग्वालियर के झांसी रोड थाना क्षेत्र से गुजर रही थी। बस में 18 यात्री, 2 चालक और 1 कंडक्टर सहित कुल 21 लोग सवार थे, जिनमें अधिकांश यात्री उस समय नींद में थे। बताया जा रहा है कि जैसे ही बस थाना परिसर के सामने पहुंची, अचानक तेज धमाके के साथ उसका पिछला टायर फट गया। टायर फटने से निकली चिंगारी ने बस के पिछले हिस्से में आग लगा दी। देखते ही देखते बस से धुआं उठने लगा और आग तेजी से फैलने लगी, जिससे स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। थाना परिसर में मौजूद पुलिसकर्मियों ने धमाके की आवाज सुनते ही तुरंत बाहर आकर स्थिति का जायजा लिया। हालात की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने बिना समय गंवाए राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। पुलिसकर्मियों ने बहादुरी और सूझबूझ का परिचय देते हुए बस की खिड़कियों के कांच तोड़े और अंदर फंसे यात्रियों को एक-एक कर सुरक्षित बाहर निकाला।

इस दौरान पुलिस ने न केवल त्वरित निर्णय क्षमता दिखाई, बल्कि यात्रियों को घबराने से बचाते हुए संयम बनाए रखा। उनकी सतर्कता और साहसिक प्रयासों के कारण सभी 21 लोगों की जान बचाई जा सकी, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद पुलिस टीम ने आग बुझाने के प्रयास भी तत्काल शुरू कर दिए। थाना परिसर में उपलब्ध बोरवेल से पानी लाकर आग पर काबू पाने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर दमकल दल भी मौके पर पहुंचा और पुलिस के साथ मिलकर आग पर पूरी तरह नियंत्रण पाया। इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी शक्ति यादव, प्रधान आरक्षक शिव सिंह गुर्जर, रामभरण लोधी, सुशांत चौहान, आरक्षक हरिओम जाट, सलमान, रवि भदौरिया और आकाश छारी की विशेष भूमिका रही।

खंडवा शादी में ननिहाल आई 9वीं की छात्रा से रेप रात में पानी पीने उठी थी 15 वर्षीय किशोरी 27 वर्षीय आरोपी रिश्तेदार गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के जावर थाना क्षेत्र के ग्राम पीपलकोटा में एक 15 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है।

पीड़िता अपने परिवार के साथ ननिहाल में एक शादी समारोह में गई थी। रविवार तड़के 4 बजे जब वह पानी पीने उठी, तब 27 वर्षीय दूर के रिश्तेदार ने उसे अकेला देखकर ज्यादती की।

पुलिस ने केस दर्ज कर रविवार रात ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उसे आज सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

आंगन में सो रही थी, तड़के 4 बजे पानी पीने उठी: ग्राम पीपलकोटा में 26 अप्रैल को शादी समारोह था, जिसमें नाबालिग अपनी मां और पूरे परिवार के साथ शामिल होने आई थी। रात में डीजे पर गाना-बजाना खत्म होने के बाद सभी रिश्तेदार सो गए थे। पीड़िता भी अपनी मां के साथ घर के आंगन में सो रही थी। तड़के 4 बजे नींद खुलने पर वह प्याऊ के पास पानी पीने के लिए गई थी।

मुंह दबाकर घर के पीछे ले गया आरोपी: प्याऊ के पास आरोपी ने नाबालिग को अकेला पाकर दरिंदगी की। पुलिस शिकायत में पीड़िता ने बताया कि, 'वह नौवीं कक्षा की छात्रा हैं। वह जब पानी पीने के लिए गई तो एक रिश्तेदार आया और बातचीत करने लगा। उसने हाल-चाल पूछने और फिर मेरा मुंह दबाया और मुझे पकड़कर घर के पीछे ले गया। वहां ले जाकर उसने मेरे साथ दरिंदगी की। सुबह हुई तो मैं मां के पास नहीं थी। भाई मुझे ढूंढ़ते हुए आया और फिर अपने साथ घर ले गया। घर पर मैंने मां को रात में हुई घटना के बारे में बताया। '

गांव में टीम भेजकर पुलिस ने की गिरफ्तारी: परिजनों को घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत की। मामले की कार्रवाई को लेकर जावर टीआई श्याम भादले के मुताबिक, 'पीड़िता की शिकायत पर रविवार दोपहर में एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी निर्भय पिता फूलचंद भिलाला (उम्र 27) निवासी फतेहपुर जामली उन्हीं का दूर का रिश्तेदार था। जिसे गिरफ्तार करने के लिए एक टीम को उसके गांव भेजा। रात में ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आज सोमवार को उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

सीहोर में कांटों की कमी से गेहूं की धीमी तुलाई : बिलकिसगंज रोड पर 100 ट्रॉलियों की कतार

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के उलझावन सोसाइटी बेयर हाउस पर गेहूं खरीदी की धीमी गति के कारण किसान परेशान हैं। बिलकिसगंज रोड पर लगभग 100 ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की लंबी कतार लगी हुई है, जिससे बार-बार जाम की स्थिति बन रही है और राहगीरों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है। किसान पिछले 48 घंटों से अपने ट्रैक्टरों पर ही सोने और जागने को मजबूर हैं। आसमान में बादलों की आवाजाही ने उनकी चिंता बढ़ा दी है। किसानों को डर है कि यदि बेमौसम बारिश हुई, तो उनकी साल भर की मेहनत से उगाया गया गेहूं भीगकर खराब हो सकता है। किसान एमएस मेवाडा ने बताया कि खरीदी केंद्रों पर कांटे कम होने के कारण तुलाई धीमी है और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। किसानों की प्रमुख मांगों में कांटों की संख्या तत्काल बढ़ाना, तुलाई में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाना और केंद्र पर किसानों के लिए छाया व पानी के उचित इंतजाम करना शामिल है।

मंदसौर पुलिस ने अवैध शराब अड्डों पर दी दबिश खाइयों और गड्ढों में छिपाकर रखी 400 लीटर लहान नष्ट, आरोपी फरार

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पिपलियामंडी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र के काचरिया चंद्रावत गांव में कच्ची शराब बनाने वाले अड्डों पर पुलिस ने दबिश देकर भारी मात्रा में लहान (कच्ची शराब बनाने का घोल) नष्ट किया।

गुप्त सूचना पर छापा: थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर सुनियोजित तरीके से कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस को जानकारी मिली थी कि गांव में कुछ लोग छिपकर अवैध शराब बना रहे हैं, जिसके बाद टीम ने तत्काल रणनीति बनाकर मौके पर दबिश दी।

तालाब किनारे खाइयों में चल रहा था अवैध कारोबार

जानकारी के अनुसार, अवैध शराब बनाने वाले तत्व तालाबों के आसपास गहरी खाइयों और गड्ढों में छिपकर कच्ची शराब तैयार कर रहे थे, ताकि पुलिस की नजर से बच सकें लेकिन पुलिस ने सूझबूझ दिखाते हुए इन छिपे हुए ठिकानों तक पहुंची और कार्रवाई की।

मौके पर 400 लीटर लहान नष्ट

दबिश के दौरान पुलिस ने करीब 400 लीटर लहान को मौके पर ही नष्ट कर दिया। हालांकि कार्रवाई के दौरान कोई आरोपी पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका, जिससे यह अंदेशा है कि पुलिस की भनक लगते ही आरोपी मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी विक्रम सिंह इवने ने बताया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

बैडमिंटन में नए स्कोरिंग सिस्टम को मंजूरी, BWF ने की घोषणा

हॉर्सेंस (डेनमार्क), एजेंसी। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (BWF) के सदस्यों ने 3315 स्कोरिंग सिस्टम को अपनाने की मंजूरी दे दी है। खेल की विश्व शासी संस्था ने घोषणा की कि यह नया फॉर्मेट 4 जनवरी 2027 से लागू होगा। BWF ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि यह प्रस्ताव डेनमार्क के हॉर्सेंस में आयोजित BWF की 87वीं वार्षिक आम बैठक में डाले गए वोटों के लिए जरूरी दो-तिहाई बहुमत से पारित किया गया।

BWF की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है। उन्होंने कहा, हम एक ऐसा खेल तैयार कर रहे हैं जो अगली पीढ़ी से जुड़ा हो, और साथ ही हम अपने खिलाड़ियों के लंबे समय के भविष्य में निवेश करना जारी रखेंगे। BWF के अनुसार 3315 स्कोरिंग सिस्टम का मकसद बैडमिंटन को और ज़्यादा रोमांचक और प्रतिस्पर्धी बनाना, मैच के समय को बेहतर बनाना, मैच की अवधि को ज्यादा एक जैसा रखना, और खिलाड़ियों की भलाई और रिकवरी के लिए संभावित फायदे लाना है।

लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि इस फॉर्मेट का मकसद मैचों में शुरू में ही ज्यादा दबाव वाले पल लाकर, स्कोर को और ज्यादा करीबी और मैच के अंत को और ज्यादा नाटकीय बनाना है, जिससे प्रशंसक पहली रैली से लेकर आखिरी रैली तक खेल से जुड़े रहें। फेडरेशन ने बताया कि यह फैसला ज्यादा के सदस्यों और हितधारकों के साथ लंबे समय तक चले परीक्षण, विश्लेषण और परामर्श की प्रक्रिया के बाद लिया गया है।

कैसे काम करेगा 3315 स्कोरिंग सिस्टम

यह फैसला पिछले दो दशकों में बैडमिंटन में स्कोरिंग से जुड़ा सबसे बड़ा सुधार है। नए 3315 स्कोरिंग सिस्टम के तहत, मैच अभी भी तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाएंगे। हर गेम वह पक्ष जीतेगा जो सबसे पहले 15 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो।
मौजूदा स्कोरिंग सिस्टम के तहत बैडमिंटन मैच आम तौर पर तीन गेमों में से सर्वश्रेष्ठ के आधार पर खेले जाते हैं। हर गेम वह पक्ष जीतता है जो सबसे पहले 21 अंकों तक पहुंचता है, बशर्ते उसके पास दो अंकों की बढ़त हो; हालाँकि, अगर स्कोर 29-29 पर पहुंच जाता है, तो 30वां अंक बनाने वाला पक्ष गेम जीत जाता है। जो भी टीम रैली जीतती है, उसे एक पॉइंट मिलता है- चाहे सर्विस किसी भी टीम ने की हो। मौजूदा 3321 रैली-पॉइंट स्कोरिंग सिस्टम 2006 में शुरू किया गया था। इसने पहले के 15-पॉइंट वाले फॉर्मेट की जगह ली, जिसमें पॉइंट सिर्फ सर्विस करने वाली टीम को ही मिलते थे।

रियान पराग के बचाव में उतरे बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर

टीम प्रबंधन से भी मिल रहा समर्थन

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग का अब तक आईपीएल के इस सत्र में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। कप्तान के तौर पर तो वह सफल रहे हैं और रायल्स अंकतालिक में शीर्ष पांच में बनी हुई है पर बल्लेबाज के तौर पर पराग एक भी मैच में बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक 8 पारियों में केवल 88 रन ही बना पाये हैं। इसके बाद भी टीम प्रबंधन से उनको पूरा समर्थन मिल रहा है। टीम प्रबंधन ही नहीं कोचिंग स्टाफ का भी मानना है कि पराग समय के साथ ही रन बना लेंगे। टीम उनकी बल्लेबाजी को लेकर परेशान नहीं है। टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने पराग का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही दिशा में प्रसास कर रहे हैं।

राठौर ने कहा, उनके साथ कुछ भी गडबड़ी नहीं है। वह नेट्स में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। कभी-कभी ऐसा दौर आता है जब रन नहीं बनते, पर यह खेल का हिस्सा है। मुझे पूरा भरोसा है कि वह वापसी करेंगे और मजबूत वापसी करेंगे। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं ज़्यादा उनके रवैये और टीम के प्रति समर्पण को महत्व दे रहा है। टीम का मानना है कि पराग में लंबी पारी खेलनी की पूरी क्षमता है वह वह समय आने पर रन बना लेंगे। उनकी बल्लेबाजी में कोई कमी नहीं है।

सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में भी पराग नंबर 4 पर बल्लेबाजी करते हुए केवल 7 रन बना पाये थे। इस सत्र में उनका औसत मात्र 12.57 और स्ट्राइक रेट 112.82 का रहा रहा है। उनका सबसे अधिक स्कोर केवल 20 रन है, ये रन उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ बनाये थे। अब राजस्थान रॉयल्स का अगला मंगलवर को मुकाबला पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

इसमें पराग पर अपने को साबित करने का दबाव होगा। इस मैच में टीम को उनसे एक महत्वपूर्ण और निर्णायक पारी की उम्मीद होगी, ताकि वे अपने कप्तान के रूप में टीम को आगे ले जा सकें और प्रशंसकों को भी खुशी का अवसर दे सकें।

वैभव जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी को मिलती है : कैफ

मुम्बई, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने राजस्थान रॉयल्सके युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनके जैसी प्रतिभा एक पीढ़ी में एक बार ही किसी खिलाड़ी में मिलती है। कैफ ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ वैभव की विस्फोटक पारी को देखते हुए ये बात कही है। वैभव ने इस मैच में केवल 37 गेंदों में ही 103 रनों की आक्रामक पारी खेली थी। जिसमें 12 छक्के और पांच चौके शामिल थे।

कैफ ने इसी पारी को देखते हुए कहा कि इतनी कम उम्र में, वैभव आईपीएल में शीर्ष गेंदबाजों पर भी आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। उन्होंने वैभव के निडर होकर खेलने के तरीके को विशेष रुप से पसंद किया है। साथ ही कहा कि इस बल्लेबाज ने जिस प्रकार से प्रफुल हिंगे पर लगातार चार छक्के लगाये। वह भी साबित करता है कि वैभव दबाव में नहीं आते जबकि पिछले मैच में हिंगे ने पहली ही गेंद पर उन्हे आउट कर दिया था।

कैफ के अनुसार जिस प्रकार से वैभव ने पैट कमिंस जैसे विश्व स्तरीय गेंदबाज को निशाना बनाया है वह भी बड़ी बात है। इससे पहले के मुकाबालों में उन्होंने जसप्रीत बुमराह और जोफ्रा आर्चर की भी पिटाई की थी। कैफ का मानन है कि वैभव एक निडर क्रिकेटर हैं जो आईपीएल में ऐसे खेल रहे हैं, जैसे वह किसी गली क्रिकेट में खेल रहे हों। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने सूर्यवंशी के मानसिक रवैये को भी सराहा। उन्होंने कहा, दो सत्र में दो शतक और दोनों ही 250 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से उनकी मानसिक मजबूती को दिखता है।उन्हें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि गेंदबाज कौन है या मैच की स्थिति क्या है। वह बस लगातार आक्रमण करते रहते हैं।

कैफ ने कहा , वह एक ऐसे अनुभवी खिलाड़ी की तरह बल्लेबाजी करता है, जैसे की उसने एक दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला हो। गेंद की लेंथ को जल्दी पहचानने की उसकी योग्यता, क्रीज पर उसका संतुलन और उसकी जबरदस्त ताकत ये सभी विश्व-स्तर के हैं। इसके अलावा, 15 साल की उम्र में दिमाग शांत बने रहना उसका एक दुर्लभ गुण हैया। वह इसी प्रकार खेलता रहे तो भारतीय क्रिकेट को दो शतक के लिए एक बेहतरीन बल्लेबाज मिल जाएगा।

महिला प्रशंसक ने अभिषेक का हाथ पकड़कर खींचा

जयपुर, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा आईपीएल में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। राजस्थान रॉयलस के खिलाफ भी उन्होंने शतकीय पारी खेलकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपनी तूफानी बल्लेबाजी के कारण वह प्रशंसकों में भी खासे लोकप्रिय हैं। यही लोकप्रियता अब उनकी मुश्किलें बढ़ा रही हैं। यहां एक महिला प्रशंसक ने अचानक ही उनका हाथ पकड़ लिया और अपनी ओर खींचने का प्रयास किया। इससे अभिषेक हैरान हो गये। इसी दौरान सुरक्षाकर्मियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें छुड़ाया। इससे वह असहज और नाराज दिखे। यह घटना तब हुई जब अभिषेक अपनी टीम के होटल से स्टेडियम की ओर जा रहे थे।

भारत में जिस प्रकार से क्रिकेट का जुनून है उसमें प्रशंसक कभी-कभी अपने स्टार खिलाड़ियों को देखकर बेकाबू हो जाते हैं। वहीं कहा जा रहा है कि प्रशंसकों को भी खिलाड़ियों की निजी सुरक्षा और उनके स्पेस का सम्मान करना चाहिये। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें अभिषेक परेशान दिख रहे हैं। वहीं सुरक्षाकर्मी उन्हें भीड़ से बचाने का प्रयास करते दिखे। हालांकि इस घटना के बाद भी अभिषेक की बल्लेबाजी पर कोई असर नहीं पड़ा से यादगार रही। उन्होंने महज 29 गेंदों में शानदार 57 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी इस विस्फोटक पारी में एक छक्का और 11 चौके शामिल थे, जिसने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। इस सत्र में ऑरेंज कैप की दौड़ में अभिषेक सबसे आगे हैं, जो उनकी शानदार निरंतरता को दर्शाता है।

ईशान बोले टीम से बाहर होने पर हिम्मत नहीं हारी , वापसी के लिए प्रयास किया

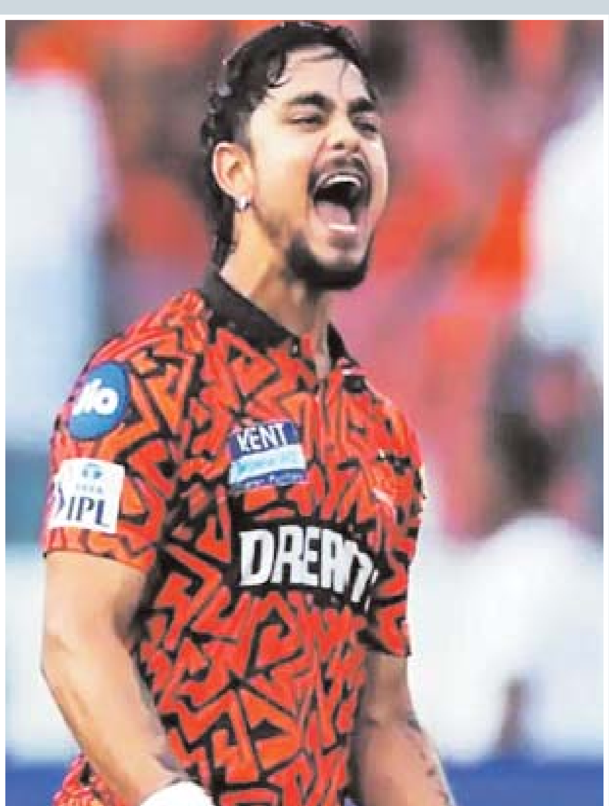

मुम्बई, एजेंसी। आईपीएल में शानदार बल्लेबाजी कर रहे सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेब्राज ईशान किशन ने कहा है कि जब उन्हें साल 2024 में राष्ट्रीय टीम से बाहर कर दिया गया था। तब भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी थी और वह लगातार अभ्यास करते रहे। ऐसे में टीम से करीब दो साल तक बाहर रहने के बाद भी वह वापसी में सफल रहे। ईशान के अनुसार टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने हताश होने की जगह पर अपने खेल को बेहतर बनाने और निरंतरता हासिल करने पर ध्यान दिया। इसी प्रतिबद्धता के बल पर उन्होंने इस साल न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला और आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में अपनी जगह मिली। किशन ने अपनी वापसी का श्रेय घरेलू सत्र में शानदार प्रदर्शन को दिया, जहां उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 500 से अधिक रन बनाए और अपनी कप्तानी में झारखंड को प्रतियोगिता का खिताब भी जिताया। उन्होंने कहा, जब मैं भारतीय टीम से बाहर था, तो मैंने खुद से कहा कि मैं इसको लेकर रोना नहीं रो सकता या उदास नहीं हो सकता। किसी भी खिलाड़ी के लिए ऐसा करना सबसे आसान होता है। इससे शायद कुछ लोगों की सहानुभूति मिल जाए, शायद आपको अच्छा भी लगे, लेकिन इससे कुछ हासिल नहीं होगा।

उन्होंने आगे जोर दिया, राष्ट्रीय टीम में वापसी करने का एकमात्र तरीका रन बनाना था। मैं बस अपने खेल में सुधार करना चाहता था और जितना हो सके उतने रन बनाना चाहता था, भले ही इसका मतलब किसी भी अन्य बल्लेबाज से ज्यादा छक्के लगाना हो। किशन ने बताया कि राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के दौरान खेल के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और भी बढ़ गई। इसी लगन ने उन्हें घरेलू क्रिकेट में लगातार ढेरों रन बनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा, लगातार रन बनाने से ही आप टीम में वापसी कर सकते हैं। यदि एक सत्र में 300 रन काफी नहीं हैं तो 400 रन बनाएं। अगर यह भी काफी नहीं है तो 500 रन बनाएं। आखिर क्रिकेट ही हमारी आजीविका का साधन है।

विकेटकीपर बल्लेबाज ने अपनी मानसिकता साझा करते हुए कहा, जब आप टीम से बाहर होते हैं तो आपको इसकी अहमियत समझ आती है और आप हर मैच का सम्मान करने लगते हैं। आपके अंदर अच्छा प्रदर्शन करने और जीत हासिल करने की ललक जाग उठती है। मेरा भी यही लक्ष्य था कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूं। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के अपने अनुभव पर किशन ने कहा कि इससे उन्हें पारी को गति देने और आखिर तक बल्लेबाजी करने का आत्मविश्वास मिला है।

दासगुप्ता ने की प्रभसिमरन की प्रशंसा

बेहतर प्रदर्शन के बाद भी नहीं मिल रहा श्रेय

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने पंजाब किंग्स के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उन्होंने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। दासगुप्ता के अनुसार प्रभसिमरन ने पिछले सत्र में भी काफी रन बनाये थे और इस सत्र में भी उन्होंने उस सिलसिले को बरकरार रखा है। दीप ने कहा कि इसके बाद भी जितनी सराहना इस बल्लेबाज को मिलनी चाहिये थे। वह नहीं मिल रही है जबकि अन्य बल्लेबाजों की काफी चर्चाएं हो रही है। उन्होंने कहा कि, हम इस खिलाड़ी की उतनी बात नहीं करते, जितनी करनी चाहिए। उन्होंने प्रभसिमरन की निरंतरता पर जोर देते हुए बताया कि पिछले सत्र के बाद भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया है और इस साल भी वह लगातार रन बना रहे हैं, फिर भी उनपर किसी का ध्यान नहीं जाता है। दासगुप्ता ने प्रभसिमरन की विकेटकीपिंग की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह अपना काम काफी सतर्कता से करते हैं और किसी को चिन्ता करने की जरुरत नहीं रहती हैं। उन्होंने कहा , प्रभसिमरन की मौजूदगी टीम को एक खास तरह का असससास देती है, और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर वह टीम के लिए एक बड़ा अंतर पैदा करते हैं। रहे हैं। इस प्रकार वह दोहरी जिम्मेदारी निभाते हैं। इस बल्लेबाज ने इस सत्र में अब तकखेले गए 6 पारियों में 287 रन बनाए हैं, जिसमें उनकाऔसत 57.40 और स्ट्राइक रेट 192.61 का रहा है। इन प्रदर्शनों में तीन शानदार अर्धशतक भी शामिल हैं, जिससे वह अपनी टीम के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। टीम की सफलता में उनकी यह निरंतरता और आक्रामक बल्लेबाजी टीम की भी अहम भूमिका रही है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए एक रोमांचक मुकाबले में प्रभसिमरन ने अपनी प्रियांश आर्या के साथ मिलकर पावरप्ले में तूफानी बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर पहले 6 ओवरों में रिकॉर्डतोड़ 116 रन जोड़ दिए, जो आईपीएल इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। प्रभसिमरन ने इस दौरान सिर्फ 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया और पावरप्ले में ही 23 गेंदों पर 71 रन बना दिए।

प्लेऑफ के लिए पंजाब सहित ये चार टीमें प्रबल दावेदार बनकर उभरीं

सीएसके, मुम्बई सहित अन्य टीमों का बाहर होना तय

मुम्बई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के करीब आधे मुकाबले हो गये हैं। अभी तक कुल 70 मैचों में से 36 मुकाबले पूरे हो गये हैं। इससे बाद प्लेऑफ के लिए अब टीमों के बीच मुकाबला और कड़ा हो गया है। पंजाब किंग्स की टीम इस सत्र में सबसे अधिक अंक लेकर शीर्ष पर चल रही है। पंजाब ने अभी तक खेले गए 7 मैचों में से 6 में जीत दर्ज की है, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इस प्रकार कुल 13 अंकों के साथ, पंजाब अंक तालिका में शीर्ष पर है और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए नंबर एक पर है। अगले दो से तीन मैचों में ही उसे नॉकआउट दौर का टिकट मिलना तय है।

वहीं पंजाब के अलावा, अंक तालिक में शी-4 में शामिल गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स भी शामिल हैं। राजस्थान और हैदराबाद ने 8-8 मुकाबले खेल लिए हैं, जबकि बेंगलुरु ने अभी तक 7 मैच खेले हैं। इन तीनों टीमों के भी 10-10 अंक हैं, जिससे ये प्लेऑफ की दौड़ में बचे हुए तीन स्थानो के लिए सबसे बड़े दावेदार के तौर पर उभरे हैं। इनका जबरदस्ता प्रदर्शन इन्हें इसके योग्य बनाता है।

वहीं चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के लिए प्लेऑफ की में पहुंचना कठिन है। इन तीनों ही टीमों के 7-7 मैचों के बाद 6-6 अंक हैं। जबकि प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए कम से कम 16 अंकों की जरुरत होती है। ऐसे में चेन्नई, दिल्ली और गुजरात को प्लेऑफ के लिए अपने बचे हुए 7 में से कम से कम 5 मैच जीतने होंगे, जो अभी संभव नजर नहीं आ रहा है।

इकसे अलावा मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की बात करें तो ये टीमें आईपीएल से बाहर होने की दहलीज पर पहुंच गयी हैं। मुंबई और लखनऊ ने अब तक 7-7 मैच खेले हैं और इनके केवल 4-4 अंक हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स का प्रदर्शन और भी निराशाजनक रहा है, जिसने इतने ही मैचों में केवल एक जीत दर्ज की है। इन तीनों टीमों की वापसी अब संभवन नजर नहीं आती।

रीवा में मौत की फोरलेन: धंसती सड़क फटती नालियां और केसीसी कंपनी का घटिया खेल करोड़ों का प्रोजेक्ट बना खतरे का गड्ढा!

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले में करोड़ों रुपये की लागत से बन रही फोरलेन सड़क अब विकास की नहीं बल्कि विनाश की तस्वीर पेश कर रही है निर्माण एजेंसी केसीसी कंपनी की लापरवाही और घटिया निर्माण की परतें एक-एक कर खुलने लगी हैं। सड़क अभी पूरी तरह तैयार भी नहीं हुई है लेकिन कई स्थानों पर सड़क धंस रही है नालियां फट रही हैं और भारी वाहन तक गड्ढों में फंस रहे हैं हालात इतने भयावह हो चुके हैं कि यह सड़क अब आम जनता के लिए सीधे-सीधे मौत का रास्ता बनती जा रही है जमीनी हकीकत को बयां करती तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि सड़क किनारे बनाई गई नालियां कई जगह टूटकर धंस चुकी हैं। मिट्टी के नीचे से कमजोर निर्माण की पोल खुल रही है। एक जगह तो भारी ट्रक तक सड़क में धंस गया जिससे साफ संकेत मिलता है कि निर्माण की गुणवत्ता किस स्तर की है। यह स्थिति तब है जब प्रोजेक्ट अभी अधूरा है और पूरा निर्माण होना बाकी है स्थानीय लोगों का आरोप है कि केसीसी कंपनी ने शुरू से ही मानकों को ताक पर रखकर काम किया। नालियों के निर्माण में लोहे की सरीया की जगह प्लास्टिक की सरीया का इस्तेमाल किया गया जिसका ग्रामीणों ने पहले दिन से विरोध किया था। बावजूद इसके लगभग 19 किलोमीटर लंबी नालियां इसी घटिया सामग्री से तैयार कर दी गईं। लोगों का कहना है कि यह प्रयोग नहीं बल्कि जनता की जान के साथ खिलवाड़ है इतना ही नहीं निर्माण के दौरान जरूरी प्रक्रियाओं को भी पूरी तरह नजरअंदाज किया गया। नालियों और सड़क की ढलाई के बाद पानी का छिड़काव (क्योरिंग) नहीं किया गया जिससे सीमेंट की मजबूती विकसित ही नहीं हो पाई। वहीं वाटर कंपेक्टर जैसी जरूरी मशीनों का इस्तेमाल भी कहीं दिखाई नहीं दिया। बिना मजबूत बेस तैयार किए ही सीधे निर्माण कर दिया गया जिससे अब सड़क और नालियां तेजी से टूटने लगी हैं ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि निर्माण में हल्की गुणवत्ता की सीमेंट धूलयुक्त सामग्री और बिना वाइब्रेटर के ढलाई का उपयोग किया गया बताया जा रहा है कि लगभग 70 प्रतिशत सड़क का निर्माण इसी तरह जल्दबाजी में पूरा कर लिया गया। अब जैसे-जैसे समय बीत रहा है वैसे-वैसे इस विकास की सच्चाई सामने आ रही है सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि पूरे निर्माण कार्य की निगरानी जिस सरकारी एजेंसी को करनी थी वह पूरी तरह नदारद नजर आ रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारी केवल कागजों में निरीक्षण दिखाकर एसी कमरों में बैठे रहे जबकि जमीनी स्तर पर घटिया निर्माण का खुला खेल चलता रहा। अगर समय पर सख्ती बरती जाती तो आज यह सड़क हादसों का गढ़ न बनती इस पूरे मामले को लेकर अब जनता में भारी आक्रोश है लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी अगर सड़क सुरक्षित नहीं है तो इस विकास का क्या मतलब? कई लोगों ने तंज कसते हुए कहा कि अगर पैसा बचाना ही था तो सड़क बनाने की जरूरत क्या थी लोग खुद रास्ता निकाल लेते फिलहाल हालात यह हैं कि यह फोरलेन सड़क पूरी होने से पहले ही अपनी विश्वसनीयता खो चुकी है लोग अब इस मामले में उच्चस्तरीय जांच गुणवत्ता परीक्षण और दोषी अधिकारियों व कंपनी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। रीवा में विकास के नाम पर चल रहा यह खेल अब उजागर हो चुका है अब देखना यह होगा कि जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाता है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से मुख्य न्यायाधीश ने किया शुभारंभ, एक प्रकरण का हुआ निराकरण

केन्द्रीय जेल रीवा में विशेष लोक अदालत आयोजित

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। केन्द्रीय जेल रीवा में गत दिवस विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया जिसमें बंदियों के राजीनामा योग्य प्रकरणों की सुनवाई कर उनके निराकरण का प्रयास किया गया लोक अदालत का शुभारंभ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया इस अव सर पर विशेष न्यायाधीश संदीप शर्मा ने बंदियों को आपसी सुलह के आधार पर मामलों के निराकरण की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लोक अदालत के माध्यम से मामलों का त्वरित और सरल समाधान संभव है दलोक अदालत में जेल में निरुद्ध बंदियों के विभिन्न राजीनामा योग्य मामलों की सुनवाई की गई। सुनवाई के उपरांत पाँच बंदियों के मामलों को निराकरण हेतु चिन्हित किया गया जिनमें से एक प्रकरण आपसी सहमति से सफलतापूर्वक निपटाया गया दकार्यक्रम में न्यायाधीश मोहित कुमार शर्मा समीर कुमार मिश्र, दयाल सिंह सूर्यवंशी जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय जिला विधिक सहायता अधिकारी अभय कुमार मिश्रा सहित पैरालीगल वालेंटियर्स उपस्थित रहे यह आयोजन बंदियों को शीघ्र न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

खरीदी ठप होने से किसानों में आक्रोश, आज कलेक्टर से करेंगे मुलाकात

मोहरबा केंद्र पर अव्यवस्था, किसानों को उठानी पड़ रही दोहरी मार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेवा सहकारी समिति दादर-रूपौली अंतर्गत मोहरबा खरीदी केंद्र पर गेहूं खरीदी बंद होने से किसानों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है किसान आज बड़ी संख्या में कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला कलेक्टर से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखेंगे किसान मीडिया प्रभारी तेजभान सिंह ने बताया कि 21 अप्रैल 2026 से केंद्र पर खरीदी सुचारू रूप से चल रही थी और सैकड़ों किसानों की फसल की तौल भी हो चुकी थी। लेकिन 27 अप्रैल को अचानक खरीदी केंद्र प्रभारी बदलने के बाद तौल प्रक्रिया ठप हो गई, जिससे

किसानों को अपना अनाज वापस ले जाने के लिए मजबूर होना पड़ा इस अव्यवस्था के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। एक बार फसल लेकर केंद्र तक पहुंचने में खर्च उठाने के बाद अब उन्हें दोबारा परिवहन का खर्च करना पड़ रहा है किसानों ने प्रशासन से तत्काल खरीदी शुरू कराने और समस्या का समाधान करने की मांग की है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सुपर स्पेशलिटी, जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अतिरिक्त मुख्य सचिव लोक स्वास्थ्य अशोक वर्णवाल ने अपने रीवा जिले के प्रवास के दौरान सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, कुशाभाऊ ठाकरे जिला अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर करने के निर्देश दिये अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य केन्द्र रायपुर कर्चुलियान एवं गुढ़ के निरीक्षण के दौरान संचालित हो रही ओपीडी का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों व अन्य स्टाफ को निर्देश दिये कि आने वाले मरीजों का बेहतर इलाज करें तथा स्वास्थ्य की जांच व ब्लड सेंपल व अन्य जांच अस्पताल में ही करायें उन्होंने कोल्डचैन लैब पैथालॉजी कक्ष,

एनआरसी व वार्डों का भ्रमण किया तथा व्यवस्थायें देखीं अतिरिक्त मुख्य सचिव ने स्टोर में दवाईयों व अन्य आवश्यक उपकरणों का निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि अस्पताल में उपलब्ध दवाईयाँ दी जांय तथा इस बात का विशेष ध्यान रखें कि दवाईयाँ एक्सपायरी न हों। उन्होंने रायपुर कर्चुलियान में निर्माणाधीन ब्लाक पब्लिक हेल्थ यूनिट की गुणवत्ता ठीक न होने पर अप्रसन्नता व्यक्त की। जिला अस्पताल के निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने ओपीडी एवं ऑपरेशन थियेटर व डायलिसिस कक्ष का निरीक्षण किया उन्होंने टोकन जनरेट करने वाली मशीन से टोकन जनरेट न होने पर कहा कि जो व्यवस्थायें मुहैया कराई गई हैं उनका नियमित संचालन सुनिश्चित करायें वर्णवाल ने मरीजों से उन्हें मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं व अस्पताल की व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी ली उन्होंने निर्देश दिये कि सभी का आभा का रजिस्ट्रेशन अनिवार्यत: कराया जाय उन्होंने सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों में संचालित विभिन्न विभागों तथा स्टोर का निरीक्षण किया इस दौरान कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने चिकित्सकों व स्टाफ को निर्देश दिये कि सभी स्वास्थ्य केन्द्र समय पर खुलें व मरीजों का बेहतर इलाज हो। निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएँ अवधिया, सीएमएचओ डॉ. यत्लेश त्रिपाठी, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित चिकित्सक व स्टाफ उपस्थित रहा।

भोपाल में रीवा की रीता तिवारी ने बघेली लोकगीतों का बांधा समा

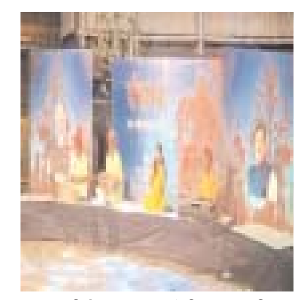

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय भोपाल में दिनांक 26 अप्रैल को आयोजित संभावना कार्यक्रम के अंतर्गत रीवा की सुप्रसिद्ध लोक गायिका रीता तिवारी ने बघेली लोकगीतों की सुमधुर प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रस्तुति में गणेश वंदना, सोहर, बधाई गीत, तिलकोत्सव एवं विवाह अवसरों पर गाए जाने वाले पारंपरिक लोकगीत शामिल रहे रीता तिवारी ने उन लोकगीतों को मंच पर प्रस्तुत किया जो आज के समय में धीरे-धीरे लुप्त होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बघेली लोकसंस्कृति को संरक्षित रखना अत्यंत आवश्यक है और इसी उद्देश्य से वे विभिन्न मंचों पर इन गीतों की प्रस्तुति देती आ रही हैं उनका यह प्रयास लोक परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है रीता तिवारी ने बताया कि उन्हें यह लोकसंगीत की परंपरा अपनी माता से विरासत में मिली है, जो आज 80 वर्ष की आयु में भी उन्हें निरंतर प्रेरणा देती हैं उन्होंने कहा कि माताजी के मार्गदर्शन और आशीर्वाद से ही वे इस कला को आगे बढ़ा पा रही है कार्यक्रम में उपस्थित श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुति की खूब सराहना की और बघेली लोकगीतों की मधुरता को महसूस किया।

गोसेवकों का शक्ति प्रदर्शन हस्ताक्षर अभियान चलाया: संत समाज और गोसेवक तहसील पहुंचे, राष्ट्रमाता दर्जे की मांग उठी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में 'गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को संत समाज और गोसेवकों ने एकजुट होकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। दोपहर करीब 12 बजे शहर भ्रमण करते हुए तहसील कार्यालय पहुंचे गोसेवकों ने लगभग 5 हजार लोगों के हस्ताक्षर युक्त पत्र को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री राज्यपाल और मुख्यमंत्री तक पहुंचाने की मांग की ज्ञापन में गोमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने की प्रमुख मांग उठाई गई। इसके साथ ही गोशालाओं की बदहाल स्थिति सुधारने, बेसहारा गोवंश के संरक्षण, चारा-पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया सर्व संगठन सर्व

समाज एकजुट होकर इस अभियान में शामिल हुए और समर्थन जताया भारतीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ा मुद्दा है देवेंद्र द्विवेदी ने कहा कि यह केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ा हुआ मुद्दा है। उन्होंने कहा कि देशभर में गौमाता को सम्मान दिलाने के लिए व्यापक जनसमर्थन जुटाया जा रहा है साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की कि इस विषय पर शीघ्र निर्णय लिया जाए कुसुम सिंह ने कहा कि गोशालाओं की स्थिति सुधारना समय की आवश्यकता है और इसके लिए ठोस योजना बननी चाहिए उन्होंने कहा कि बेसहारा गोवंश के संरक्षण के लिए प्रशासन को सक्रिय भूमिका निभानी होगी साथ ही चारा-पानी और चिकित्सा सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए समाज में सकारात्मक संदेश जाता है बृजेंद्र पांडेय ने कहा कि गोसेवा से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है और यह जन जागरूकता का विषय है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में लोगों ने हस्ताक्षर कर इस मांग का समर्थन किया है साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपील की कि ज्ञापन को गंभीरता से लेकर उच्च स्तर तक पहुंचाया जाए गौसेवकों ने प्रशासन से अपील की कि जनभावनाओं को गंभीरता से लेते हुए इस ज्ञापन को प्राथमिकता के साथ उच्च स्तर तक भेजा जाए और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

आग से खेत-खलिहानों की फसल नष्ट, संकट में किसान किसानों ने आर्थिक मदद की लगाई गुहार

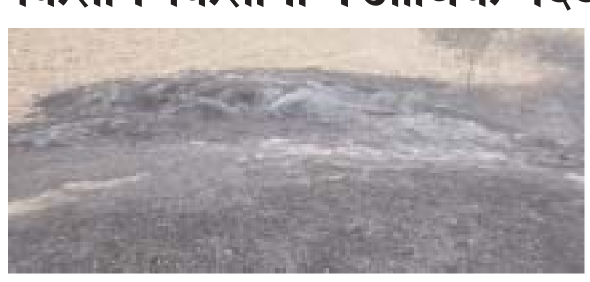

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के गुढ़ तहसील अंतर्गत तमरादेश ग्राम सहित आसपास के कई क्षेत्रों में आग लगने की घटनाओं ने किसानों की मेहनत को पलभर में राख कर दिया खेतों और खलिहानों में रखी तैयार फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है बताया जा रहा है कि जिन फसलों के सहारे किसान परिवार पूरे वर्ष के भरण-पोषण की उम्मीद लगाए बैठे थे वही फसल आग की चपेट में आकर खाक हो गई इस घटना के बाद प्रभावित किसान गहरे संकट में हैं और कई परिवारों के सामने रोजमर्रा के खर्च चलाना भी मुश्किल हो गया है। स्थानीय किसानों के अनुसार आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है लेकिन तेज गर्मी और सूखी फसल को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। घटना के बाद ग्रामीणों ने काफी प्रयास कर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था इस गंभीर स्थिति के बावजूद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस राहत कार्य शुरू नहीं किया गया है जिससे किसानों में आक्रोश और निराशा का माहौल है प्रभावित किसानों का कहना है कि समय रहते यदि सहायता नहीं मिली, तो उनकी आर्थिक स्थिति और भी खराब हो सकती है किसान नेता विश्वनाथ सिंह पटेल 'चोटीवाला ने इस मामले को गंभीरता से उठाते हुए शासन-प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाए और किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि यह केवल फसल का नुकसान नहीं बल्कि किसानों के पूरे वर्ष की आजीविका पर संकट है ग्रामीणों और किसान संगठनों ने भी प्रशासन से जल्द राहत पहुंचाने की मांग की है ताकि प्रभावित परिवार इस मुश्किल समय से उबर सकें और पुन: खेती के कार्य में जुट सकें।

रीवा सैनिक स्कूल में थलसेना प्रमुख का दमदार संदेश

कैडेट्स बनें रोल मॉडल असफलता को बनाएं सफलता की सीढ़ी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर के प्रतिष्ठित सैनिक स्कूल में उस समय गौरवपूर्ण माहौल बन गया जब भारतीय थलसेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पीवीएसएम, एवीएसएम का आगमन हुआ। अपरान्ह 12 बजे जैसे ही मुख्य अतिथि विद्यालय पहुंचे पूरे परिसर में उत्साह और अनुशासन का अद्भुत संगम देखने को मिला कार्यक्रम की शुरुआत सैनवा मेमोरियल पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई जहां थलसेना प्रमुख ने वीर शहीदों को नमन किया इसके बाद उन्होंने विद्यालय के परेड ग्राउंड पर कैडेट्स की शानदार परेड का निरीक्षण किया। कैडेट्स की अनुशासनबद्ध प्रस्तुति और जोश ने मुख्य अतिथि को विशेष रूप से प्रभावित किया इस अवसर पर मानेकशॉ सभागार में एक भव्य विशेष सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि के औपचारिक स्वागत से हुई। इसके बाद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों सैन्यकर्मियों और पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया सम्मानित होने वालों में कमांडर जे. एस. खोत, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. एन. के. झा (पीजीटी मैथ्स), प्रभाकर चक्रवर्ती (पीजीटी फिजिक्स) हवलदार उमा शंकर एम तथा संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय के चिकित्सक एवं विद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. सौरभ पटेल शामिल रहे। इन सभी को उनकी कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए इसके साथ ही पूर्व सैन्यकर्मियों कर्नल जी. पी. सिंह (सेवानिवृत्त) हवलदार योगेश कुमार तिवारी (सेवानिवृत्त) और नायक अनिल कुमार तिवारी (सेवानिवृत्त) को वेटरन अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस सम्मान ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को प्रेरणा से भर दिया कार्यक्रम की अगली कड़ी में विद्यालय के नवनियुक्त छात्र पदाधिकारियों का पद अलंकरण किया गया। कैडेट अभय प्रताप सिंह को स्कूल कैप्टन, कैडेट सी. एच. कुंदना को स्कूल गर्ल्स कैप्टन, कैडेट दिव्यांश यादव को स्कूल वाइस कैप्टन कैडेट देवराज इन्दोरिया को स्कूल एडजुटेंट कैडेट प्रशांत कुशवाहा को स्कूल मेस कैप्टन और कैडेट अनुराग सिंह को स्कूल स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में नियुक्त किया गया अपने प्रेरणादायक संबोधन में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा करते हुए अपने शिक्षकों को अपनी सफलता का आधार बताया। उन्होंने कहा कि आज भी मेरे शिक्षकों के शब्द मुझे प्रेरित करते हैं और सही दिशा दिखाते हैंकैडेट्स को संबोधित करते हुए उन्होंने उन्हें केवल अनुशासित सैनिक ही नहीं बल्कि समाज के रोल मॉडल बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए मानसिक, शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से मजबूत बनने पर विशेष बल दिया उन्होंने स्पष्ट कहा कि असफलता कोई बाधा नहीं बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी है कैडेट्स को निरंतर प्रयास करते रहने और अपने सपनों को वास्तविकता में बदलने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने आधुनिक तकनीक के सही उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि तकनीक तभी सार्थक है जब उसका उपयोग राष्ट्र निर्माण में हो कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य कर्नल अविनाश रावल, वीएसएम ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वहीं थलसेना प्रमुख ने भी विद्यालय को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी, जो संस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।अंत में प्राचार्य ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और कैडेट्स का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ, लेकिन जनरल द्विवेदी के प्रेरणादायक शब्द लंबे समय तक कैडेट्स के मन में गूंजते रहेंगे।

स्वास्थ्य विभाग में अनियमितताओं के आरोप, भर्ती प्रक्रिया पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स कर्मचारियों की भर्ती को लेकर गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं कांग्रेस पार्टी के पिछड़ा विभाग के राष्ट्रीय समन्वयक किसान नेता कुंवर सिंह पटेल एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा ने आरोप लगाते हुए कहा कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी की गई है उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के अंतर्गत 31 दिसंबर 2024 के अनुबंध के आधार पर जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 490 आउटसोर्स कर्मचारियों की नियुक्ति की गई आरोप है कि यह भर्ती बिना किसी सार्वजनिक विज्ञापन और नियमानुसार निविदा प्रक्रिया अपनाए की गई जो शासन के निर्देशों के विपरीत है कांग्रेस नेताओं के अनुसार, नियुक्ति प्रक्रिया में आरक्षण रोस्टर का भी पालन नहीं किया गया। दावा किया गया कि कुल

490 पदों में से 371 सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन किया गया जबकि अन्य वर्गों को अपेक्षित प्रतिनिधित्व नहीं मिला इसके अलावा भर्ती प्रक्रिया में कथित रूप से आर्थिक लेन-देन और अनियमितताओं के भी आरोप लगाए गए हैं नेताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कार्रवाई न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि योग्य अभ्यर्थियों के अधिकारों का हनन भी है। मामले को लेकर प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।